वर्ष-15, अंक-118
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

इंदौर, शुक्रवार 02 अगस्त 2024

आज का विचार

मनुष्य को हमेशा मौका नही ढूंढना चाहिये,क्योंकि जो आज है वही सबसे अच्छा मौका है।

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

हिमाचल में बादल फटने से अब तक 4 लोगों की मौत, 49 लापता

केरल में 308 की गई जान, 200 शव बरामद, रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए पहुंचे हेलीकॉप्टर, केदारनाथ में 2 हजार श्रद्धालु फंसे, उत्तराखंड में 16 की मौत

नई दिल्ली। देश के पहाड़ी क्षेत्रों में हो रही भारी बारिश आफत का सबब बनती जा रही है। बुधवार रात केदारनाथ पैदल मार्ग स्थित लिनचोली और भीमबाली बादल फटने, भारी बारिश और भूस्खलन के बाद 16 लोग लापता हो गए। वहीं, एक हजार यात्रियों के केदारनाथ धाम में फंसे होने की सूचना है। स्थानीय प्रशासन के अनुसार, लापता लोगों की तलाश की जा रही है, अब तक इस प्राकृतिक आपदा में करीब 11 लोगों की मौत हो चुकी है। हिमाचल प्रदेश के रामपुर में गुरुवार को हुई बादल फटने की घटना के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। राज्य मंत्री राजेश धर्माणी के अनुसार, इस हादसे में अब तक 4 लोगों की मौत हो चुकी है और 49 लोग अभी भी लापता हैं। एनडीआरएफ के सहायक कमांडेंट, करम सिंह ने बताया कि बादल फटने घटना के बाद लगभग 20-25 घर और 40-42 लोग बह गए हैं। भारतीय सेना के साथ एनडीआरएफ की दो टीमें यहां मौजूद हैं। हम लगातार खोज एवं बचाव अभियान चला रहे हैं ।

हजारों लोगों को किया गया रेस्क्यू

इधर, भूस्खलन के कारण हजारों तीर्थयात्री फंस गए थे। विभिन्न पड़ावों पर 4 हजार यात्री फंस गए थे, जिनका एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और पुलिस द्वारा रेस्क्यू किया गया। करीब सात सौ लोगों को हेलीकॉप्टर से सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया। उत्तराखंड के धारचूला के न्यू सोबला गांव में भी बादल फटने की खबर सामने आई है, जिससे लागुथान नाला उफान पर आ गया। केंद्र सरकार ने हालातों को देखते हुए और यात्रियों के रेस्क्यू के लिए भारतीय वायु सेना के एक चिनूक और MI-17V5 हेलीकॉप्टर तैनात किया है।

दिल्ली में उमस कर रही परेशान

दिल्ली में हुई भारी बारिश के बाद उमस लोगों को परेशान कर रही है। मौसम विभाग ने राजधानी में अधिकतम तापमान 35 और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना जताई है।

बारिश के कारण हरिद्वार, देहरादून, टिहरी, रुद्रप्रयाग और नैनीताल में अब तक 16 लोगों की मौत हो चुकी है। जबकि केदारनाथ में बादल फटने से पैदल रूट पर लिनचोली और भीमबली के पास 2000 से ज्यादा लोग फंसे हैं। इन्हें निकालने के लिए 5 हेलिकॉप्टर लगाए गए हैं। केदारनाथ रूट में फंसे यात्रियों को बचाने के लिए SDRF तैनात की गई है। मुनकटिया से 450 लोगों को सुरक्षित सोनप्रयाग पहुंचाया गया। बाकी लोगों का रेस्क्यू चिनूक और MI-17 हेलिकॉप्टर से हो रहा है। मध्य प्रदेश के 61 लोग इस दौरान पहाड़ों के बीच फंसे थे। इनमें से 51 लोगों को रेस्क्यू कर लिया गया है। वहीं, अन्य 10 लोग भी सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिए गए हैं। राज्य के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रशासन उत्तराखंड सरकार के सतत संपर्क में है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि चारधाम की यात्रा के दौरान केदारनाथ में फंसे म.प्र. के 61 यात्रियों में से 51 यात्रियों को आज एयरलिफ्ट कर सुरक्षित रुद्रप्रयाग पहुंचाया गया है। शेष 10 यात्री केदारनाथ में ही सुरक्षित स्थान पर हैं।

सीएम डॉ यादव ने लाड़ली बहनों के लिए गाया गाना

10 अगस्त को खाते में पहुंचेंगे 1500 रुपए

सतना। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सतना के चित्रकूट में लाड़ली बहना हितग्राही आभार उपहार कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने फूलों का तारों का सबका कहना है, एक हजारों में मेरी बहना है... गाना गाकर बहनों के प्रति अपना स्नेह व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ लोग कहते हैं कि योजना बंद हो जाएगी। उन्होंने अपने भाषण में कांग्रेस पर अप्रत्यक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा कि तुम्हारी पार्टी बंद हो जाएगी, हमारी योजना बंद नहीं होगी। उन्होंने लाड़ली बहना योजना के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना भाई-बहन के संबंधों का प्रतीक है और इसे बंद करने का कोई इरादा नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बहनें माता-पिता के समान प्रेम करती हैं और उनका सम्मान अत्यधिक है। उन्होंने कहा कि हमारे देश में परिवार और बहन-भाई के बीच प्रेम और स्नेह की अनूठी संस्कृति है। उन्होंने यह भी कहा कि जो लोग इस योजना के बंद करने की बात कर रहे है, वे रोते रहेंगे। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। यह भाई और बहनों का रिश्ता है। सरकार बहनों के लिए सुविधाएं देती रहेगी। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम प्रदेश में आगे भी चलते रहेंगे। इसमें सभी सांसद, विधायक, पार्षद समेत जनप्रतिनिधि

शामिल होंगे। मुख्यमंत्री ने 10 अगस्त को बहनों के खातों में 1250 रुपए और अतिरिक्त 250 रुपए मिलाकर कुल 1500 रुपए की राशि जमा करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह राशि रक्षाबंधन के त्योहार के लिए बहनों को 10 दिन पहले दी जा रही है। इससे बहने भाई के लिए राखी और मिठाई खरीद सकेंगी। उन्होंने कहा कि सरकार ने लाड़ली बहना योजना के अलावा उज्जवला कनेक्शन लेने वाली 20 लाख और लाड़ली बहना योजना की 20 लाख बहनों के खातों में 450 रुपए भी डालेगी।

लाखों यात्रियों के लिए खुशखबरी

ट्रेनों में बढ़ाई जाएगी जनरल कोच की संख्या, 2500 कोच बनेंगे

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को लाखों भारतीय रेल यात्रियों को लोकसभा में बड़ी खुशखबरी दी। उन्होंने बताया कि अगले कुछ ही महीनों के भीतर रेलवे ट्रेनों में 2500 जनरल कोच बनाने की तैयारी कर रहा है। मालूम हो कि पिछले कुछ सालों में ट्रेनों में जनरल कोच की संख्या में कथित कमी आने का मुद्दा उठता रहा है। अब आने वाले दिनों में रेलवे ट्रेनों में जनरल कोच की संख्या को बढ़ाने जा रहा है। हर मेल एक्सप्रेस ट्रेन में जनरल के चार डिब्बे लगाए जाएंगे। माना जा रहा है कि ट्रेनों में होने वाली भीड़ को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। इसके चलते गरीब और मिडिल क्लास रेल यात्रियों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि एक ट्रेन में जनरल कोच का

अनुपात स्लीपर और गैर-आरक्षित सहित दो-तिहाई है। मंत्री ने लोकसभा में कहा, एक तिहाई एसी कोच हैं। यही मानक रहा है और इसे बनाए रखा गया है। हालांकि, चूंकि जनरल कोचों की मांग बढ़ रही है, इसलिए हमने अगले कुछ महीनों में 2,500 जनरल कोच बनाने का काम शुरू किया है। रेल मंत्री ने संसद में बताया कि स्टैंडर्ड के हिसाब से हर मेल ट्रेन में कम से कम चार जनरल कोच होने चाहिए। यह मानक सभी मेल एक्सप्रेस ट्रेनों में किया जाएगा। इसके अलावा, उन्होंने संसद को बताया कि भविष्य में भारतीय रेलवे वेटिंग लिस्ट और शॉर्टेज की दिक्कतों को दूर करने के लिए दस हजार जनरल कोच बनाने का काम शुरू करने जा रहा है। अश्विनी वैष्णव ने अपने संबोधन की शुरुआत लगभग 12 लाख रेलवे कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए की। ये कर्मचारी रोजाना लगभग 20,000 ट्रेनों के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करते हैं। रेल मंत्री ने रेलवे को देश की जीवन रेखा बताया, एक महत्वपूर्ण संस्था जिस पर देश की अर्थव्यवस्था का बहुत बड़ा भार है। रेलवे सुरक्षा को लेकर संसद को संबोधित करते हुए रेल मंत्री ने पिछले एक दशक में इस संबंध में की गई महत्वपूर्ण प्रगति पर प्रकाश डाला। 26,52,000 से अधिक अल्ट्रासोनिक दोष पहचान परीक्षण किए गए हैं, और सुरक्षा उपायों को बढ़ाने के लिए कई नई तकनीकों को शामिल किया गया है।

जुलाई में 1.82 लाख करोड़ रुपए रहा जीएसटी कलेक्शन

नई दिल्ली। जुलाई 2024 में 1,82,075 करोड़ रुपये जीएसटी कलेक्शन हुआ है, जो जुलाई 2023 में 1,65,105 करोड़ रुपये रहा था। बीते साल समान महीने के मुकाबले जुलाई 2024 में 10.3 फीसदी ज्यादा जीएसटी कलेक्शन करने में सफलता मिली है। जून 2024 में 1.74 लाख करोड़ रुपये जीएसटी वसूली में सफलता मिली थी। जीएसटी कलेक्शन का मंथली डेटा जारी करते हुए बताया गया कि, जुलाई 2024 में सीजीएसटी के जरिए 32,386 करोड़ रुपए, एसजीएसटी के जरिये 40,289 करोड़ रुपए, आईजीएसटी के जरिए 49,437

करोड़ रुपए, और सेस के जरिए 11,923 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं। यानी कुल डोमेस्टिव रेवेन्यू 8.9 फीसदी के उछाल के साथ 1.34 लाख करोड़ रुपए रहा है। इंपोर्ट के मोर्चे पर आईजीएसटी के जरिए 47009 करोड़ रुपये और सेस के जरिए 1029 करोड़ रुपये की वसूली हुई है। इंपोर्ट से जीएसटी रेवेन्यू 14.2 फीसदी बढ़ा है। डेटा के मुताबिक डोमेस्टिक रिफंड 7813 करोड़ रुपए का जारी किया गया है जो कि जुलाई 2023 के मुकाबले 34.1 फीसदी कम है। जुलाई 2023 में 11,857 करोड़ रुपए का रिफंड जारी किया गया था। आईजीएसटी रिफंड 8470 करोड़ रुपए का जारी किया गया है जो कि बीते साल जुलाई के मुकाबले 1.4 फीसदी ज्यादा है। कुल रिफंड में 19.2 फीसदी की कमी आई है।जुलाई 2024 में 16,283 करोड़ रुपये का रिफंड जारी किया गया है जो जुलाई 2023 में 20,209 करोड़ रुपये का रिफंड जारी किया गया था।

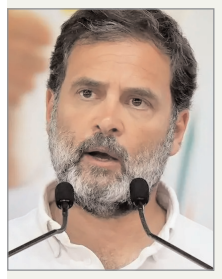

स्वप्निल ने किया सपना पूरा भारत को एक और कांस्य पदक

पेरिस। स्वप्निल कुसाले ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन में भारत को कांस्य पदक दिलाया है। यह इस ओलंपिक में शूटिंग में भारत को तीसरा पदक है। स्वप्निल से पहले मनु भाकर ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य जीता था। वहीं, मनु ने सरबजोत के साथ मिलकर 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित स्पर्धा में भी कांस्या अपने नाम किया था। स्वप्निल महिला या पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन में ओलंपिक मेडल जीतने वाले पहले भारतीय हैं। स्वप्निल का पदक अप्रत्याशित था, क्योंकि किसी ने उन्हें पदक की दौड़ में नहीं रखा था। हालांकि, उन्होंने सभी को चौंकाते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। राइफल थ्री पोजिशन में निशानेबाज तीन पोजिशन में निशाना लगाता है।

इनमें नीलिंग यानी घुटने के बल बैठकर, प्रोन यानी पेट के बल लेटकर और स्टैंडिंग यानी खड़े खड़े शॉट लगाया जाता है। स्वप्निल नीलिंग और प्रोन तक पीछे चल रहे थे। हालांकि, स्टैंडिंग पोजिशन में स्वप्निल ने गजब का कमबैक किया और पदक अपने नाम किया। स्वप्निल ने नीलिंग पोजिशन में 153.3 का स्कोर बनाया था। इसके बाद प्रोन पोजिशन में उनका कुल स्कोर 310.1 हो गया था। नीलिंग और प्रोन पोजिशन के बाद स्टैंडिंग पोजिशन में दो शॉट के बाद एलिमिनेशन राउंड की शुरूआत हुई। नीलिंग राउंड में स्वप्निल छठे स्थान और प्रोन पोजिशन के बाद भी पांचवें स्थान पर रहे थे। हालांकि, जैसे ही एलिमिनेशन राउंड की शुरुआत हुई, स्वप्निल पहले पांचवें और फिर तीसरे स्थान पर पहुंच गए। पूरे एलिमिनेशन राउंड में स्वप्निल तीसरे स्थान पर रहे। वह दूसरे स्थान पर रहे शूटर यूक्रेन के सेरही से .5 अंक पीछे रह गए और रजत से चूक गए। स्वप्निल ने हालांकि, पदक जीतने के साथ भारतीय फैंस का दिल जीत लिया। स्वप्निल का फाइनल स्कोर 451.4 का रहा। चीन के यूकुन लियू ने 463.6 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक पर कब्जा किया, जबकि यूक्रेन के सेरही कुलिश ने 461.3 के स्कोर के साथ रजत पदक जीता।

राहुल गांधी का दावा: 'चक्रव्यूह' भाषण के बाद मेरे खिलाफ ईडी रेड की बनाई जा रही योजना, बोले- 'खुले हाथों से स्वागत करूंगा'

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को दावा किया कि प्रवर्तन निदेशालय उनके खिलाफ छापेमारी की योजना बना रही है। यह दावा उन्होंने संसद में बजट पर चर्चा के दौरान दिए गए 'चक्रव्यूह' भाषण के बाद किया। गांधी ने कहा कि वह केंद्रीय एजेंसी का खुले हाथों से स्वागत करेंगे क्योंकि ईडी के 'अंदरूनी सूत्रों' ने उन्हें छापेमारी की योजना के बारे में सूचित किया है। राहुल गांधी ने सोमवार को 2024-25 के केंद्रीय बजट पर चर्चा के दौरान महाभारत के 'चक्रव्यूह' का उदाहरण देते हुए भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी में एक और'चक्रव्यूह' तैयार किया गया है, जो कि कमल के रूप में है, और प्रधानमंत्री इसे अपनी छाती पर पहनते हैं। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि इस 'चक्रव्यूह'के केंद्र में छह लोग हैं, जिनमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह शामिल हैं। उन्होंने चार और लोगों के नाम लिए, लेकिन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने उन्हें अनुमति नहीं दी क्योंकि वे सदन के सदस्य नहीं थे। गांधी ने कहा कि राजनीतिक नेतृत्व, केंद्रीय एजेंसियां, और दो लोगों द्वारा देश की पूरी संपत्ति पर कब्जा करना इस 'चक्रव्यूह' का हिस्सा है।

News सिटी चीफ
सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार
Fastest Growing Media Network
अवश्यकता है
इंदौर भोपाल जिले के सभी तहसीलो में दैनिक अख़बार और डिजिटल रिपोर्टर की।
डिजिटल और प्रिंट के लिये मार्केटिंग टीम (मेल/फीमेल) एवं हेल्परो की अवश्यकता हैं
डिजिटल मीडिया का क्रान्तिकारी कदम
डिजिटल भारत में खबरों के लिए देखे सिटी चीफ न्यूज़
रिपोर्टर बनने के लिए सम्पर्क करे
9755996590

सिंगल कॉलम

2 नहीं बल्कि 3 दिन चलेगी हेरिटेज ट्रेन, पर्यटक लेंगे रोमांचक सफर का मजा

इंदौर। मानसून के मौसम में हेरिटेज ट्रेन से सफर करने वालों के लिए खुशखबरी है, जहां 2 अगस्त से पातालपानी-कालाकुंड हेरिटेज ट्रेन अब शुक्रवार को भी चलेगी। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की मांग व उनकी सुविधा को ध्यान में रखते हुए पातालपानी-कालाकुंड हेरिटेज ट्रेन को अब शुक्रवार को भी चलाया जायेगा।वरिष्ठ जन संपर्क अधिकारी प्रदीप शर्मा के अनुसार 52965/52966 पातालपानी-कालाकुंड-पातालपानी हेरिटेज ट्रेन 02 अगस्त, 2024 से प्रति शुक्रवार, शनिवार एवं रविवार को चलेगी। इस ट्रेन के आगमन/प्रस्थान समय, कोच कंपोजिशन, ठहराव आदि में कोई बदलाव नहीं किया गया है। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की मांग व उनकी सुविधा को ध्यान में रखते हुए पातालपानी-कालाकुंड हेरिटेज ट्रेन शुरू की गई है। यह ट्रेन 20 जुलाई, 2024 से प्रति शुक्रवार, शनिवार एवं रविवार को चलेगी। वरिष्ठ जन संपर्क अधिकारी प्रदीप शर्मा के अनुसार ट्रेन संख्या 52965 पातालपानी-कालाकुंड हेरिटेज ट्रेन 11.05 बजे पातालपानी से चलकर 13.05 बजे कालाकुंड पहुंचेगी तथा वापसी में ट्रेन संख्या 52966 कालाकुंड - पातालपानी हेरिटेज ट्रेन कालाकुंड से 15.34 बजे चलकर 16.30 बजे पातालपानी पहुँचेगी। इस ट्रेन में दो एसी चेयरकार सी1 व सी2 एवं तीन नॉन एसी चेयर कार डी1 , डी2 व डी3 रहेंगे। इस हेरिटेज ट्रेन में आने-जाने के लिए अलग-अलग टिकट लेना होगा। इस ट्रेन के एक दिशा के लिए एसी चेयर कार का किराया रु 265/- एवं नॉन एसी चेयर कार का किराया रू 20/- प्रति टिकट प्रति व्यक्ति रहेगा ।

इंदौर में जीएसटी ट्रिब्यूनल खोलने के लिए उपमुख्यमंत्री देवड़ा को दिया ज्ञापन

इंदौर। टीपीए प्रतिनिधिमंडल ने इंदौर में जीएसटी ट्रिब्यूनल खोलने के लिए उपमुख्यमंत्री एवं मध्यप्रदेश के वित्तमंत्री जगदीश देवड़ा को ज्ञापन सौंपा। टीपीए प्रेसिडेंट सीए जेपी सराफ एवं टीपीए के मानद सचिव सीए डॉ. अभय शर्मा ने बताया कि इंदौर प्रदेश की औद्योगिक एवं व्यापारिक राजधानी है, सबसे ज्यादा राजस्व भी इंदौर से ही एकत्र होता है तथा जीएसटी मुख्यालय, इनकम टैक्स ट्रिब्यूनल एवं हाई कोर्ट की खंडपीठ भी इंदौर में ही है' इंदौर के आसपास बड़ा व्यापारिक बेल्ट है जिसके कारण भी इंदौर में जीएसटी ट्रिब्यूनल होना तर्कसंगत है। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे टीपीए के सीए सुनील पी. जैन ने बताया कि छत्तीसगढ़, राजस्थान जैसे छोटे राज्यों में भी जीएसटी की एक से ज्यादा बेंचेस हैं। यदि इंदौर में यह बेंच नहीं स्थापित की जाती है तो इंदौर के आसपास के करीब 20 जिलों के करदाताओं एवं कर सलाहकारों को टैक्स डिस्प्यूट होने पर हर तारीख पर भोपाल जाना होगा, जिससे समय व धन की बबार्दी होगी तथा सस्ता न्याय सुलभ नहीं हो पाएगा। देवड़ा ने टीपीए की इस मांग पर सहमति जताई तथा इस सबंध में केंद्र सरकार को अनुशंसा भेजने का आश्वासन दिया।

एक दिन ही उड़कर बंद हुआ इंदौर-खजुराहो का विमान

इंदौर। प्रदेश के शहरों को आंतरिक उड़ानों को जोड़ने के लिए की गई पीएमश्री वायुसेवा को यात्रियों का ज्यादा प्रतिसाद नहीं मिल रहा है। इंदौर से खजुराहो के लिए पिछले सप्ताह जोर-शोर से इंदौर एयरपोर्ट से उड़ान शुरू की गई, लेकिन एक बार उड़ान भरने के बाद यह सेवा बंद कर दी गई। इंदौर खजुराहो उड़ान की सुविधा अब इंदौर से नहीं मिलेगी। कंपनी ने अगस्त माह का शेड्यूल जारी किया है। जिसमें इंदौर से भोपाल व जबलपुर की सीधी उड़ानें ही रखी गई है,जबकि जून में रीवा और उज्जैन के लिए भी इंदौर से उड़ानें थी। हाल ही में इंदौर खजुराहो सेवा भी शुरू की गई थी। इंदौर से उज्जैन की दूरी 55 किलोमीटर है और कार से एक घंटे में इंदौर से उज्जैन पहुंचा जा सकता है। इस कारण विमान के यात्री कम मिल रहे थे। पिछले 20 जुलाई के बाद इंदौर-उज्जैन की उड़ान बंद कर दी गई। इसके पीछे वजह यह बताई गई कि हवाई पट्टी पर नील गाय और अन्य पशु आ जाते हैं। इससे हादसे का खतरा रहता है। आपको बता दे कि ओला कंपनी ने इंदौर से भोपाल तक का किराया तीन हजार रुपएरखा है,जबकि जबलपुर का किराया पांच हजार रुपए रखा है। कंपनी छह सीटर विमान का संचालन यात्रियों के लिए करती है। इंदौर से भोपाल के लिए ठीक स्थिति में यात्री मिल रहे है। पीएम श्री पर्यटन वायु सेवा के तहत फ्लायओला कंपनी ने शुरूआत में इंदौर से सीधी उड़ानें उज्जैन, भोपाल और जबलपुर के लिए शुरू की थी। वहीं पिछले हफ्ते खजुराही के लिए भी शुरू की थी। कुल मिलाकर इंदौर से कंपनी 4 शहरों के लिए उड़ान शुरू की थी। लेकिन अब यह दो जगहों भोपाल और जबलपुर के लिए ही बची है। दो अन्य शहरों उज्जैन और खजुराहो के लिए उड़ान बंद हो गई है। फ्लाय ओला कंपनी ने अपनी वेबसाइट पर 1 से 15 अगस्त तक की उड़ानों की बुकिंग को खोलने के साथ ही एक नया संदेश प्रसारित करना भी शुरू किया है। जिसमें बताया जा रहा है कि 16 अगस्त और उसके बाद की उड़ानों की बुकिंग 12 अगस्त से खोली जाएगी। वहीं कंपनी ने बुकिंग पर 1 महीने तक डिस्काउंट को 35 प्रतिशत कर दिया है। शुरूआत में यह डिस्काउंट 50 प्रतिशत था।

टीवी मोबाइल से रोका तो बच्चों ने माता-पिता पर दर्ज करवा दिया केस

सिटी चीफ इंदौर।

गलती करने पर बच्चों को डांटना कोई नई बात नहीं है लेकिन अगर बच्चे माता-पिता की शिकायत लेकर थाने पहुंच जाएं और पुलिस इस मामले में एफआईआर दर्ज कर ले और पूरा मामला कोर्ट तक चल जाए तो आप क्या कहेंगे। इंदौर में कुछ ऐसा ही घटनाक्रम हुआ है इस अजीब घटनाक्रम की पूरे शहर में चर्चा है।

इंदौर में बच्चों ने माता-पिता पर केस दर्ज करवा दिया। केस भी ऐसा कि उसमें सात साल तक की सजा हो सकती है। बच्चों ने इसलिए ऐसा किया क्योंकि माता पिता उन्हें टीवी और मोबाइल नहीं देखने देते थे। नाराज 21 साल की बेटी और 8 साल के बेटे ने थाने पहुंचकर माता पिता के खिलाफ शिकायत दर्ज करा दी। पुलिस ने पैरेंट्स के खिलाफ चालान भी पेश कर दिया।

मामला चंदन नगर थाने का

मामला चंदन नगर थाने का है। अधिवक्ता धर्मेंद्र चौधरी के मुताबिक माता-पिता ने हाईकोर्ट में इस केस में चुनौती दी है। हाईकोर्ट ने सुनवाई के बाद जिला कोर्ट में माता-पिता के खिलाफ शुरू किए गए ट्रायल पर अंतरिम रोक लगा दी है। चौधरी के मुताबिक, हाईकोर्ट में दायर की गई याचिका में उल्लेख किया गया कि 25 अक्टूबर 2021 को बच्चे थाने पहुंचे और पुलिस अफसरों को माता-पिता के द्वारा मोबाइल देखने, टीवी चलाने पर रोज-रोज

डांटने की बात बताई। इस पर पुलिस ने परिजन के खिलाफ जुवेनाइल जस्टिस एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया।

बुआ के पास रह रहे हैं बच्चे

बच्चों ने पुलिस को बताया कि माता-पिता कई बार उनसे मारपीट भी करते थे। माता-पिता ने पुलिस थाने और कोर्ट में बार-बार कहा कि बच्चों की मोबाइल, टीवी की लत से हर घर परेशान है। बच्चों को डांटना बहुत ही सामान्य बात है। अब एफआईआर दर्ज कराने के बाद से ही दोनों बच्चे बुआ के साथ रह रहे हैं। पिता का भी अपनी बहन के साथ विवाद चल रहा है। बच्चों की शिकायत पर पुलिस ने पैरेंट्स पर धारा 342, धारा 294, धारा 323 लगाई है। मिली जानकारी के अनुसार शिकायत के पूर्व से ही दोनों बच्चे अपनी बुआ के साथ रह रहे थे। अधिवक्ता ने बताया कि अजय चौहान और उनकी बहन के बीच पारिवारिक विवाद चल रहा था। इस मामले में बच्चे बुआ के पक्ष में थे। थाना चंदन नगर ने विवेचना पूरी कर चालान न्यायालय पेश किया था। बीती 25 जुलाई को जिला न्यायालय में इस केस की सुनवाई हुई थी। उच्च न्यायालय ने इस प्रकरण में अधिवक्ता धर्मेंद्र चौधरी के तर्कों से सहमत होते हुए ट्रायल पर रोक लगा दी।

इतनी गंभीर हैं ये धाराएं

धारा 342= किसी को भी बंधक बनाना- इस धारा के तहत सादा कारावास, जिसे एक साल तक के लिए बढ़ाया जा सकता है या जुमार्ना, जो एक हजार रुपए तक बढ़ाया जा सकता है। या फिर जुमार्ना और सजा दोनों से दंडित किए जाने का प्रावधान है।

धारा 294= भद्दी टिप्पणी करना या अश्लील बात बोलना- इस धारा के तहत कारावास, इसे तीन महीने तक के लिए बढ़ाया जा सकता है। इसमें भी सजा या जुमार्ने के साथ ही दोनों तरह से दंडित किए जाने का प्रावधान है।

धारा 323= पुरुष किसी महिला को व्याभिचार की धमकी देता है- इस धारा के तहत 7 साल तक का कारावास या जुमार्ने कि सजा हो सकती है। या फिर सजा और जुमार्ना दोनों से दंडित किया जा सकता है।

बेसमेंट में बनी दुकानें और बाजार टूटेंगे

कलेक्टर ने दिया एक महीने का अल्टीमेटम, उठ रहे कई सवाल

सिटी चीफ इंदौर।

दिल्ली की कोचिंग के बेसमेंट में हुई घटना के बाद इंदौर जिला प्रशासन द्वारा सुरक्षा के मद्देनजर सख्त कार्रवाई की जा रही है। दो दिनों में कोचिंग सेंटरों सहित 34 से ज्यादा संस्थानों पर सुरक्षा प्रबंध सहित कई खामियों के कारण सील करने की कार्रवाई की गई है। कलेक्टर आशीष सिंह ने चेतावनी दी है कि अब बेसमेंट का उपयोग सिर्फ पार्किंग के लिए होगा।

इसके लिए भवन संचालकों को एक माह का समय दिया जाएगा।

कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि अब शहर में बेसमेंट का उपयोग सिर्फ पार्किंग के लिए किया जा सकेगा। वहां अन्य गतिविधियां नहीं चलने दी जाएंगी। जहां भी बेसमेंट का पार्किंग के अलावा अन्य उपयोग पाया जाएगा वहां कार्रवाई की की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी है कि बेसमेंट में यदि अन्य उपयोग किया जा रहा हो तो वह एक माह में खुद ही हटा लें अन्यथा रिमूव्हल की कार्रवाई की जाएगी।

क्या हजारों दुकानें और बाजार तोड़े जाएंगे?

प्रशासन के फैसले यह सवाल खड़ा हो गया है कि क्या इंदौर में हजारों दुकानें और बाजार तोड़े जाएंगे। इंदौर में नावेल्टी मार्केट, अपोलो टावर, इंद्रप्रस्थ टावर, राजानी भवन समेत अन्य सभी जगह हजारों दुकानें बेसमेंट में बनी हैं। राजवाड़ा, खजूरी बाजार, सीतलामाता बाजार, बर्तन बाजार, सराफा, जेल रोड, कपड़ा बाजार, अन्नपूर्णा, विजय

नगर, तिलक नगर, एयरपोर्ट, एलआईजी, नंदा नगर, रीगल, छावनी समेत सभी क्षेत्रों में इस तरह की सैकड़ों दुकानें हैं।

अब तक क्या कर रहा था नगर निगम

बड़ा सवाल यह भी उठता है कि नगर निगम किसी हादसे के बाद ही क्यों जागता है। किसी भी हादसे के बाद तुरंत रिमूवल का आदेश जारी कर दिया जाता है। जहां पर भी बेसमेंट में पार्किंग की जगह बनी हुई है वहां पर निगम और ट्रैफिक पुलिस का अमला बाहर सड़क पर खड़ी गाड़ियां उठा लेता है। शहर में हर दिन हजारों गाड़ियां सड़क पर से उठाई जाती हैं। पार्किंग न होने से रोज हजारों लोग सड़कों पर गाड़ियां खड़ी करते हैं और उनके चालान कटते हैं।

दो दिन में सौ से ज्यादा संस्थान सील

नगर निगम की टीम ने दो दिन में सौ से ज्यादा संस्थानों को सील किया है। इनमें कोचिंग, अस्पताल, लाइब्रेरी, फूड जोन शामिल हैं। यह कार्रवाई लगातार की जाएगी और सभी जगह संस्थानों को सील करके सामान हटाने के लिए एक महीने का नोटिस दिया जा रहा है।

अवैध तरीके से बने हैं दुकान-बाजार

नगर निगम में बिल्डिंग परमिशन विभाग के मुख्य नगर निवेशक अधिकारी नीरज आनंद लिखार के मुताबिक जहां पर भी बेसमेंट में दुकानें, बाजार बने हैं वह अवैध तरीके से बने हैं।

नगर निगम इस तरह की कोई परमिशन नहीं देता है। यदि घर के नीचे बेसमेंट में दुकान बनी है तो वह भी गलत है। घर के नीचे सिर्फ गोदाम बनाने की अनुमति देता है निगम।

इंदौर के चार गांव से निकलेगा पश्चिमी बायपास का 8 किलोमीटर हिस्सा

आठ हेक्टेयर जमीन होगी अधिग्रहित

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के पश्चिमी बायपास को बनाने की कवायद तेज हो गई है। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने गुरुवार को छह लेन मार्ग के लिए जमीन अधिग्रहण की अधिसूचना जारी की। बायपास 64 किलोमीटर लंबाई में बनेगा। पहले चरण में महू से हातोद तक के हिस्से में काम होगा। फिलहाल पहले चरण में आठ किलोमीटर हिस्से की जमीन अधिगृहित की जा रही है। बायपास का आठ किलोमीटर हिस्सा देपालपुर तहसील के किशनपुरा, ललेंडीपुरा, बेटमा खुर्द और मोहना गांव से होकर गुजरेगा। चारों गांवों की 8.1257 हेक्टेयर जमीन की आवश्यकता सड़क बनाने के लिए लगेगी। इसमें से 13 जगहों पर सरकारी जमीन है, जबकि 43 निजी जमीनों का अधिगृहण होगा। बायपास के लिए 19 गांवों की 400 एकड़ जमीन सड़क निर्माण के लिए लगेगी। इसके बनने से आगरा-मुंबई राजमार्ग के वाहन, इंदौर अहमदाबाद, इंदौर नागपुर हाईवे, इंदौर चित्तौड़गढ़ हाइवे की तरफ जा सकेंगे।

राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) इसे दो हिस्सों में बनाएगा। अभी महू से हातोद तक के 34 किलोमीटर हिस्से में काम शुरू होगा। बायपास महू के एबी रोड से शुरू होकर शिप्रा के समीप पूर्वी बायपास से जुड़ जाएगा। इसके बनने से शहर में बायपास की रिंग तैयार हो जाएगी।

24 साल पहले बना था पूर्वी बायपास

इंदौर में 24 साल पहले पूर्वी बायपास बना था। इस प्रोजेक्ट पर 1500 करोड़ रुपये की राशि खर्च होगी। इस बायपास को पीथमपुर से भी कनेक्ट किया जाएगा। इस बायपास में चार बड़े ब्रिज और 15 से ज्यादा छोटे ब्रिज बनेंगे। तीन साल में इसका काम पूरा होगा। एनएचएआई इस बायपास पर टोल भी वसूलेगा।

ई रिक्शा ड्रायवर को इंजेक्शन लगाने वाले पकड़ाए

पुलिस से बोले- डराने के लिए की हरकत,पत्नी के दोस्त ने दी सुपारी

इंदौर। चंदन नगर इलाके में शनिवार को एक ई रिक्शा चालक को दो बदमाशों ने जवाहर टेकरी के यहां पर इंफेक्टेड इंजेक्शन लगा दिया। इस मामले में पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर उसके दो परिचित बदमाशों को पकड़ा है। आरोपियो से पूछताछ की जा रही है। डीसीपी ऋषिकेश मीणा की टीम ने चंदन नगर में हुई वारदात में खुलासा कर दिया है। पुलिस ने विशाल, जग्गू उर्फ जगन और एक अन्य ओमप्रकाश को पकड़ लिया है। आरोपी सिरपुर इलाके के रहने वाले हैं। बुधवार को ड्राइवर को थाने बुलाकर पहचान कराई गई। पुलिस आरोपियों से अभी पूछताछ कर रही है। यह भी पता लगाया जा रहा है। कि इंजेक्शन कहां से लेकर आए थे। जल्द इस मामले में खुलासा करेंगे। चंदन नगर थाने के खुफिया के जवान अभिषेक और जोगेश लगातार मामलों में सीसीटीवी फुटेज निकाल रहे थे। इस मामले में उन्हें जानकारी लगी कि आरोपी नशा करने के आदी हैं और सिरपुर इलाके में सक्रिय हैं। दोनों ने टीम को साथ लेकर उन्हें दबोच लिया। बताया जाता है कि दोनों आरोपी घटना के समय नशे में थे। उन्होंने डराने के लिये ही ई रिक्शा ड्राइवर को इंजेक्शन लगाया था।

आरोपी की पीड़ित की पत्नी से थी दोस्ती

पुलिस को जानकारी मिली है कि ओमप्रकाश की पीड़ित की पत्नी से दोस्ती थी। वह उसके पति को नशे का आदि बनाना चाहता था। इसलिए उसने पूरी साजिश रची और विशाल और जगन से संपर्क किया। उन्होंने ई रिक्शा ड्रायवर को झांसे में लिया और फिर उसे साथ ले जाकर उसे नशे का इंजेक्शन लगा दिया।

मंत्री प्रहलाद पटेल अफसरों पर भड़के

कहा- हमें ज्ञान मत बताओ

सिटी चीफ इंदौर।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री प्रहलाद पटेल की अध्यक्षता में गुरुवार को श्रम एवं रोजगार मंत्रालय भारत सरकार क्षेत्रीय परिषद कर्मचारी राज्य बीमा निगम म.प्र. की 90वीं क्षेत्रीय परिषद की बैठक आयोजित हुई। रीजनल बैठक में पटेल अधिकारियों पर जमकर बरसे। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि ह्यक्या मजाक लगा रखा है, हम भी भारत सरकार से आए हुए हैं, हमको ज्ञान मत बताओ। अगली बार ऐसा नहीं होना चाहिए। पटेल ने अधिकारियों से यह भी कहा कि ऐसा डराकर चलाओगे क्या, यह सब ठीक नहीं है। दरअसल, श्रमिकों को अस्पताल और डिस्पेंसरी में मिलने वाली सेवाओं में लापरवाही की शिकायत आ रही थी जिस पर पटेल ने अधिकारियों से जानकारी ली। इसके साथ डिस्पेंसरी निर्माण में देरी का मामला भी उठा तो अफसरों की दलील पर मंत्री पटेल नाराज हो गए। सोनगिरी में एम्बुलेंस क्रय करने में लेटलतीफी पर भी उन्होंने नाराजगी व्यक्त की। गौरतलब है कि बुधवार को भी पटेल ने अन्य मामलों पर अधिकारियों पर नाराजगी जाहिर की थी।

अस्पताल और डिस्पेंसरी के प्रस्ताव बनाकर भेजें

पटेल ने सतना, मंडीदीप एवं जबलपुर में अस्पताल निर्माण के प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि पूर्व से जो अस्पताल एवं डिस्पेंसरियां संचालित है उन्हें अपग्रेड किया जाए। अस्पतालों में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाए जिससे कि मरीजों को रेफर नहीं करना पड़े। उन्होंने कहा

कि यह बैठक श्रमिक और कर्मचारियों के हित के लिए बहुत सकारात्मक है। उन्होंने निर्देश दिए कि निगम के पास उपलब्ध अपनी रिक्त पड़ी जमीन पर अस्पताल और डिस्पेंसरी निर्माण के प्रस्ताव तैयार कर भारत सरकार को प्रस्तुत करें।

रतलाम और पीथमपुर में जल्द काम करने का कहा

पटेल ने इंडस्ट्रूयल कोरिडोर के मद्देनजर रतलाम में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान किए जाने हेतु 50 बिस्तर के अस्पताल निर्माण का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि नवीन अस्पताल एवं डिस्पेंसरी चिन्हांकन में इस बात का विशेष ध्यान दिया जाए कि स्थल शहर से नजदीक हो ताकि इलाज कराने वालों को परेशानी नहीं हो। उन्होंने पीथमपुर में अस्पताल निर्माण एवं संचालन प्रारंभ करने की प्रक्रिया को समय सीमा में पूर्ण किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने क्षेत्रीय परिषद की बैठक नियमित रूप से आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अन्य स्थानों पर अस्पताल निर्माण हेतु की जा रही कार्रवाई की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए।

मरीजों को जेनेरिक दवाएं समय पर मिलना चाहिए

पटेल ने कर्मचारी राज्य बीमा चिकित्सालय सोनगिरी भोपाल में ईएसआईएस हॉस्पिटल परिसर में जीर्णशीर्ण आवासीय भवनों को खाली कराए जाने की कार्रवाई तथा नवीन निर्माण संबंधित आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने डिस्पेन्सरियों एवं अस्पताल के माध्यम से वितरित होने वाली दवाओं की उपलब्धता समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने मरीजों की सुविधाओं के मद्देनजर आयुष्मान भारत कार्ड योजना से अस्पतालों को इनपैनल किए जाने आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। सोनगिरी में एम्बुलेंस क्रय करने में लेटलतीफी पर नाराजगी व्यक्त करते हुए समय सीमा में प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बेहतर समन्वय के साथ निर्माण श्रमिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं एवं अन्य योजनाओं की सुविधाएं प्रदान करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रदेश के नगर निगम एवं नगर पालिका क्षेत्रों में कर्मचारियों के पंजीयन की प्रक्रिया की समीक्षा करते हुए अन्य नगर परिषदों एवं नगर पंचायतों में पंजीयन की प्रक्रिया के माध्यम से अधिक से अधिक श्रमिकों का पंजीयन कराए जाने के निर्देश दिए। इसके लिए विशेष अभियान संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि डिस्पेंसरी एवं अस्पतालों में जेनेरिक दवाओं की उपलब्धता समय पर निश्चित हो इसके लिए आवश्यक कार्रवाई करें।

साबरमती की तर्ज पर विकसित होगी भोपाल की कलियासोत नदी

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। भोपाल की हुजूर विधानसभा के विधायक रामेश्वर शर्मा ने अपने दिल्ली प्रवास के दौरान केंद्रीय नगरीय विकास मंत्री मनोहर लाल खट्टर से मुलाकात कर कोलार की कलियासोत नदी को बारहमासी बनाने के साथ-साथ साबरमती रिवर फ्रंट की तर्ज पर विकसित करने एवं उसके घाटों को विकसित कर पर्यटन केन्द्र बनाने की मांग को लेकर निवेदन पत्र सौंपा है। इस निवेदन पत्र में उन्होंने भोपाल की जीवन रेखा कहीं जाने वाली कलियासोत नदी के सालभर सूखे रहने की चिंता तथा उससे होने वाली नागरिक असुविधा को व्यक्त किया, साथ ही उसे बारहमासी बनाने के उपाय एवं उससे होने वाले लाभ को भी विधायक शर्मा ने मांग पत्र में उल्लेखित किया। गौरतलब है कि कलियासोत नदी कोलार से होते हुए बेतवा नदी में मिलती है। जो कि वर्तमान में कलियासोत डेम पर पूर्णरूपेण निर्भर करती है। डेम के गेट खुलने के बाद ही इस नदी में पानी आता है बाकि वर्ष भर यह सूखी रहती है।

विधायक शर्मा ने केंद्रीय मंत्री की ये मांगे

- कलियासोत नदी को बारहमासी बनाया जाए, इसके लिए तकनीकी आधार पर सुनिश्चित स्थानों पर स्टॉप डेम का निर्माण कराया जाए। इससे बहुत बड़ी आबादी के जलसाधन - ट्यूबेल, बावड़ी आदि के जल स्तर में वृद्धि होगी।

- गुजरात के मुख्यमंत्री रहते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस तरह साबरमती नदी पर रिवर फ्रंट का निर्माण कराकर उसे न केवल स्वच्छ और सुंदर बनाया, बल्कि चर्चित पर्यटन स्थल के रूप में विकसित भी कराया। उसी तर्ज पर कलियासोत नदी को बारहमासी नदी बनाते हुए, साबरमती रिवर फ्रंट की तरह विकसित किया जाए।

- कलियासोत नदी पर घाटों का निर्माण हो जिससे कि सनातनी परम्पराओं का निर्वहन किया जा सके। यहां पाथ-वे, आकर्षक पार्क, वाटर स्पोर्ट्स गतिविधि, फूड कोर्ट का निर्माण कराया जाए, जिससे कलियासोत नदी के संरक्षण के साथ-साथ स्थानीय रोजगार के नये अवसर उपलब्ध होंगे।

- कलियासोत नदी के सम्पूर्ण आबादी क्षेत्र के यथास्थिति दोनों ओर रिटेनिंग वॉल अथवा पीचींग कर इसमें होने वाले अतिक्रमण को रोका जाए।

- समय-समय पर माननीय उच्च एवं विभिन्न पर्यावरण प्रेमियों द्वारा कलियासोत नदी के संरक्षण संवर्धन की दिशा में चिंता व्यक्त की जाती रही है। कलियासोत नदी के बारहमासी बनने एवं पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित होने के बाद इस पर होने वाले अतिक्रमण एवं प्रदूषण की चिंता पूर्णतः समाप्त हो जाएगी।

- चूंकि कलियासोत नदी वृहद क्षेत्र में फैली हुई है, इसलिए इसके पर्यटन एवं संरक्षण व संवर्धन की विस्तृत रूप रेखा के लिए आगामी वर्षों के लिए इसका मास्टर प्लान भी बनाया जाए।

- कलियासोत डेम से नहर के माध्यम से भोपाल एवं रायसेन जिले की हजारों हेक्टेयर भूमि सिंचित की जाती है। इस नदी पर स्टॉप डेम बनने से सिंचाई क्षेत्र का रकबा भी बढ़ेगा।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर से मुलाकात को लेकर विधायक रामेश्वर शर्मा ने बताया कि कलियासोत नदी भोपाल की जीवन रेखा है। उसे बचाने का दायित्व हम सबका है। और केवल बचाना नहीं है, उसका संवर्धन भी करना है। इसको लेकर कल माननीय केन्द्रीय शहरी विकास मंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर जी से भेंट कर उनको कलियासोत नदी की यथास्थिति से अवगत कराया। साथ ही उनकी विकास योजना को लेकर भी सुझाव प्रस्तुत किए। उन्हें गुजरात की साबरमति रिवर फ्रंट की कार्य योजना की भी जानकारी दी। जिसके मूल स्वरूप एवं पर्यावरण के अनुरूप सीईपीटी अहमदाबाद द्वारा विकसित किया गया था। कलियासोत के सौंदर्यीकरण हेतु भी इसी तरह के अनुभवी संस्थान के द्वारा कार्य योजना बनवाई जा सकती है। उन्होंने आगे कहा कि केन्द्रीय शहरी विकास मंत्री कलियासोत नदी के संरक्षण की दिशा में साबरमती नदी की तर्ज पर विकसित करने हेतु सार्थक निर्देश सम्बन्धितों को दिए । जिसके लिए उन्होंने केंद्रीय मंत्री का आभार व्यक्त किया ।

दिग्विजय ने दिल्ली तक पहुंचाया मूंग खरीदी का मुद्दा

पोर्टल बंद होने से नहीं बिक पा रही मूंग

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल/नई दिल्ली। मध्यप्रदेश के किसानों की मूंग खरीदी को लेकर कांग्रेस पार्टी लगातार सरकार को घेर रही है। जहां एक तरफ प्रदेश स्तर पर कांग्रेसी नेता किसानों के मूंग खरीदी का मुद्दा उठा रहे हैं, वही मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री राजसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने राज्यसभा में मध्य प्रदेश के किसानों का मुद्दा उठाया है।दिग्विजय सिंह ने राज्य सभा में कहा कि मध्यप्रदेश में मूंग का उत्पादन पिछले 5 साल में तेजी से बढ़ा है। सरकार किसानों द्वारा पैदा किये जाने वाले मूंग की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी ई उपार्जन पोर्टल पर पंजीयन के माध्यम से करती है। इस साल मध्यप्रदेश में मूंग की फसल खरीदने के लिये जो पंजीयन किसानों द्वारा किये गये थे उनके लिये स्लॉट बुकिंग जून के अंतिम सप्ताह से प्रारंभ करके अंतिम तिथि 31 जुलाई 2024 रखी गई थी। विगत वर्ष किसानों से प्रति हेक्टेअर 16 क्विंटल की खरीदी सरकार द्वारा की गई थी जिसे इस साल प्रति हेक्टेअर 8 क्विंटल कर दिया गया। किसानों द्वारा धरना, प्रदर्शन करने के बाद इसे बढ़ाकर 12 क्विंटल प्रति हेक्टेअर किया गया।

अधिकतर टाइम सर्वर रहा डाउन

दिग्विजय सिंह ने कहा कि अधिकतर समय सर्वर डाउन, तकनीकी खराबी या किसी अन्य वजह से पोर्टल बंद रहा तथा अधिकांश किसान अपनी मूंग की फसल को बेचने के लिये स्लॉट बुक नही कर पाये। इसी बीच 22 जुलाई को किसानों के लिये आनलॉइन स्लॉट की बुकिंग अचानक बंद कर दी गई जिससे हजारों किसान स्लॉट बुकिंग से वंचित रह गये। जिन किसानों ने अपना स्लॉट बुक करा दिया था उनको भी या तो बारदान समाप्त होने की बात कही जा रही है या फिर उनकी फसल की तुलाई नही हो पा रही है। गोदामों के सामने हजारों ट्रेक्टर ट्रॉलियों की कतारें लगी हुई है तथा बारिश के कारण मूॅग भीगने से वे अंकुरित हो रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार अभी तक कुल अनुमानित उत्पादन का 18 प्रतिशत ही उपार्जन हो सका है।परिणामस्वरूप या तो किसानों की फसल नष्ट हो रही है या फिर किसान अपनी मूंग की फसल को व्यापारियों को कम दाम पर बेचने को मजबूर है। मध्यप्रदेश में इसे लेकर किसान आंदोलित है तथा उनके द्वारा पोर्टल पर स्लॉट बुकिंग की तारीख बढ़ाने, जिनके स्लॉट बुक हो गये है उनकी फसल की तत्काल तुलाई करवाने की मांग की जा रही है।

राज्य सरकार पर अनदेखी का आरोप

दिग्विजय सिंह ने कहा कि राज्य सरकार पूरे मामले की अनदेखी कर रही है। मैं मध्यप्रदेश के किसानों के हित में केन्द्र सरकार से मूंग खरीदी मामले में हस्तक्षेप करने तथा किसानों की समस्याओं का समाधान करने का निवेदन करता हूं।

जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

जहां राज्यसभा में दिग्विजय सिंह ने मामले को उठाया वहीं पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को पत्र लिखकर कहा है कि मुख्य मंत्री जी मप्र में समर्थन मूल्य पर मूंग खरीदी की प्रक्रिया की गई है परंतु नर्मदापुरम जिलें के समस्त पंजीबद्ध किसानों से मूंग खरीदी का कार्य नहीं हो पाया। किसान पोर्टल सर्वर डाउन रहने के कारण स्लाट (पंजीबद्ध) बुक नहीं कर पाए। राज्य सरकार द्वारा मूंग क्रय बंद किये जाने के कारण किसानों में सरकार के प्रति निराशा एवं आक्रोश व्याप्त है। अतः आपसे आग्रह है कि किसान हित को ध्यान में रखते हुए मूंग उत्पादक कृषकों से समर्थन मूल्य पर फसल क्रय पुनः प्रारंभ कराने का निर्णय लेने का कष्ट करें।

अरुण यादव बोले- स्लॉट बुक कराने किसान हो रहे परेशान

पूर्व केन्द्रीय मंत्री अरुण यादव ने एक्स पर पोर्टल के स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए लिखा- बुधवार को मैंने ग्रीष्मकालीन मूंग उपार्जन को लेकर तारीख बढ़ाने की मांग की थी। जिस पर मप्र सरकार ने मूंग उपार्जन के लिए गुरुवार को पोर्टल खोला जिससे किसान स्लॉट बुक करा पाए, मगर सुबह से ही किसानों के फोन आ रहे हैं कि सर्वर डाउन चल रहा है, मेरी सरकार से मांग है कि कल 2 अगस्त को भी पोर्टल खोला जाए जिससे मूंग उत्पादक किसान स्लॉट बुक कर पाएं एवं जिन किसानों के स्लॉट बुक हो जाये उनकी तुलाई भी सुनिश्चित करनी चाहिये ।

हमीदिया के इंटर्न चिकित्सक हड़ताल पर, मरीजों की बढ़ी परेशानी

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। राजधानी भोपाल के जीएमसी मेडिकल कॉलेज के इंटर्न चिकित्सक स्टाइपेंड बढ़ोतरी को लेकर गुरुवार को प्रदर्शन शुरू कर दिया है। इंटर्न चिकित्सकों के हड़ताल पर जाने से अस्पताल में भर्ती मरीजों की परेशानी बढ़ गई है। बता दें कि हॉस्पिटल में यह इंटर्न डॉक्टर माइनर मरीजों का ट्रीटमेंट तो करते हैं, इसके अलावा सीनियर डॉक्टर्स और पीजी को असिस्ट भी करते हैं। इसके अलावा ओपीडी में भी यह इंटर्न काम करते हैं। इंटर्न डॉक्टर्स ने सरकार से मांग की है कि स्टाइपेंड बढ़ाकर 30 हजार रुपए प्रतिमाह किया जाए। अभी उन्हें महज 13 हजार 928 रुपए का स्टाइपेंड दिया जा रहा है। इससे पहले बुधवार को इंटर्न ने काली पट्टी बांधकर काम किया। बता दें कि प्रदेशभर के गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज में करीब 3 हजार से अधिक छात्र काम कर रहे हैं वहीं हमीदिया अस्पताल में इनकी संख्या 180 से अधिक है। इस बारे में डीन कविता एन सिंह ने बताया कि फिलहाल मरीजों को किसी तरह की कोई दिक्कत सामने नहीं आई है।

वार्षिक फीस 50 हजार से बढ़कर एक लाख हुई

हड़ताल पर बैठे इंटर्न चिकित्सकों का कहना है कि 2018 में हमारी वार्षिक फीस 50 हजार रुपए होती थी, मगर इसको बढ़ाकर 1 लाख कर दी गई है। जबकि मासिक स्टाइपेंड वहीं दिया जा रहा है जो कि 2018 के बैच को दिया जा रहा है। चिकित्सकों का

कहना जिस तरह से फीस में वृद्धि की जा रही है इस तरह हमारे स्टाइपेंड में भी बढ़ोतरी की जाए जब तक हमारी मांगे पूरी नहीं होगी आंदोलन जारी रहेगा।

छोटे राज्यों में भी इंटर्न को मिलते हैं 36 हजार

इन चिकित्सकों का कहना है कि मध्यप्रदेश काफी बड़ा और समृद्ध प्रदेश है, जबकि असम जैसे छोटे राज्यों में भी इंटर्न छात्रों को 36,200 मेघायल में 30,000 रुपए प्रतिमाह स्टाइपेंड दिया जा रहा है। इंटर्न का तर्क है कि 2019 बैच के प्रदेश में 3 हजार से ज्यादा इंटर्न डॉक्टर्स है। जो 1 अप्रैल 2024 से लगातार बिना किसी छुट्टी के काम करते आ रहें हैं। वे 6 घंटे की रेगुलर ड्यूटी के साथ नाइट ड्यूटी भी रहती है। इन लोगों ने साढ़े 4 साल तक मेहनत कर एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी की है। इंटर्न डॉक्टर्स ने बताया कि मध्य प्रदेश में स्टाइपेंड के मामले में देश में 26वें नंबर पर है।

छात्रावासों और आश्रमों की स्थिति सुधारने सरकार ने बनाई कमेटी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की प्रदेश सरकार ने छात्रावासों और आश्रमों की स्थिति का जायजा लेने और उनमें सुधार की संभावनाओं को तलाशने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इसके लिए सरकार ने 13 आईएएस अधिकारियों की एक समिति गठित की है। यह कमेटी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और सामान्य वर्ग के छात्रों के लिए संचालित छात्रावासों और आश्रमों की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने का जिम्मा सौंपा गया है। इस कमेटी के गठन का उद्देश्य छात्रावासों और आश्रमों में छात्रों के लिए एक सुरक्षित और समुचित वातावरण सुनिश्चित करना है, ताकि उनकी शिक्षा में कोई रुकावट न आए। अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे निरीक्षण के दौरान भोजन, रहने की व्यवस्था, स्वच्छता, सुरक्षा और अन्य बुनियादी सुविधाओं की जांच करेंगे। अधिकारियों को यह भी जिम्मेदारी दी गई है कि वे छात्रावासों और आश्रमों के प्रबंधन से संवाद करें और उनके समक्ष आने वाली समस्याओं को समझें। इसके आधार पर, राज्य सरकार इन समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाएगी। इसके लिए नोडल विभाग जनजातीय कार्य विभाग होगा। सामान्य प्रशासन विभाग की तरफ से जारी आदेश के अनुसार गठित समिति में पी नरहिर को इंदौर, खरगौन, खंडवा, बुरहानुपर।

ब्राह्मण द ग्रेट के बाद अब आईएएसनियाज खान का नया नॉवेल वॉर अगेंस्ट कलियुग

ब्राह्मणों से कराएंगे शुद्धिकरण, मोहब्बत करना अपराध होगा

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्यप्रदेश के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी नियाज खान ने चर्चित उपन्यास ब्राह्मण द ग्रेट का दूसरा अध्याय लिखा है। उपन्यास को नाम दिया है- वॉर अगेन्स्ट कलियुगः एक सनातन राष्ट्र की परिकल्पना। यह उनका दसवां उपन्यास है। सनातन संस्कृति को लेकर अपनी किताबों के लिए चर्चित आईएएस नियाज खान ने किताब में वैलेंटाइन डे को बैन करने के साथ ही बॉलीवुड को बंद करने की बात लिखी है। यह भी लिखा है कि पर्यटन को प्रतिबंधित कर दिया जाएगा क्योंकि यह प्रकृति को नुकसान पहुंचाया है। नियाज ने लिखा है कि बॉलीवुड सनातन का दुश्मन है। इसे बंद कर ब्राह्मणों से कलाकारों का शुद्धिकरण कराया जाएगा। प्रेम मोहब्बत को अपराध घोषित किया जाएगा, क्योंकि समाज में दुराचार फैलता है। नियाज खान के इस उपन्यास में ब्राह्मण शुभेन्द्र उर्फ जूनियर कौटिल्य की कहानी प्रस्तुत की गई है, जो भारत को एक सनातन राष्ट्र बनाना चाहते हैं। शुभेन्द्र का उद्देश्य एक ऐसा समाज स्थापित करना है, जहां जाति के स्थान पर कर्म आधारित वर्ण व्यवस्था लागू हो और ब्राह्मण शिक्षा, न्याय, और धार्मिक गतिविधियों में मुख्य भूमिका निभाएं। यह उपन्यास नियाज खान के पिछले उपन्यास ब्राह्मण द ग्रेट का दूसरा भाग है। वॉर अगेन्स्ट कलियुग एक काल्पनिक कथा है जो धार्मिक और सामाजिक नियमों का कड़ाई से पालन करने वाले समाज की परिकल्पना करती है। इस उपन्यास के माध्यम से नियाज खान एक ऐसे काल्पनिक समाज की परिकल्पना करते हैं, जो धार्मिक और सामाजिक नियमों का कड़ाई से पालन करता है।

सनातन राष्ट्र की संरचनाः प्रकृति के निकट जीवन

उपन्यास में प्रस्तावित सनातन राष्ट्र में आधुनिक विकास को त्यागने की कल्पना की गई है। विकास शब्द पर प्रतिबंध होगा और जीवन को प्रकृति के निकट लाने का प्रयास किया जाएगा। इसके तहत मेट्रो रेल, हवाई अड्डे, फ्लाईओवर, राष्ट्रीय राजमार्ग, और शॉपिंग मॉल जैसी संरचनाओं को तोड़कर धरती मां को उसके मूल स्वरूप में लाने की योजना है। गाय को सबसे पवित्र पशु माना जाएगा और देश की मुद्रा पर उसका और उसके बछड़े का चित्र होगा।

धर्मतंत्र की स्थापना

सनातन राष्ट्र में लोकतंत्र और धर्म को मिलाकर धर्मतंत्र स्थापित किया जाएगा। सनातनपति प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, और सुप्रीम कोर्ट के सलाहकार होंगे, और संसद कानून बनाने के लिए उनसे सलाह लेगी। ब्राह्मणों को विशेष नागरिक का दर्जा दिया जाएगा और उन्हें धोती, खड़ाऊ, जनेऊ पहनना अनिवार्य होगा। पूंजीपतियों का धन छीनकर सभी सनातनियों में समान रूप से बांट दिया जाएगा, ताकि समानता लायी जा सके।

पारंपरिक जीवनशैली की वापसी

बॉलीवुड को बंद कर दिया जाएगा और फिल्मी कलाकारों का ब्राह्मण आचार्यों द्वारा शुद्धिकरण किया जाएगा, क्योंकि लेख के अनुसार बॉलीवुड हालीवुड की नकल करके नग्नता फैलाता है। पर्यटन को प्रतिबंधित कर दिया जाएगा, क्योंकि इससे धरती मां पर प्रदूषण फैलता है। अंग्रेजी शिक्षा और भाषा को समाप्त कर दिया जाएगा, और संस्कृत को ब्राह्मणों की भाषा के रूप में स्थापित किया जाएगा। प्रेम और मोहब्बत को अपराध घोषित किया जाएगा, क्योंकि इससे अपराध फैलता है। जन्मदिन, वेलेंटाइन्स-डे, और क्रिकेट को प्रतिबंधित कर दिया जाएगा और इसके स्थान पर कबड्डी और कुश्ती जैसे पारंपरिक खेलों को बढ़ावा दिया जाएगा।

सागर में महिला और दो बेटियों का कातिल देवर ही निकला, दो गिरफ्तार

सागर/भोपाल। सागर के नेपाल पैलेस में महिला और दो बेटियों का कातिल उसका देवर ही निकला है। ताना मारने पर उसने भाभी, भतीजियों की हत्या की थी। पहले भाभी को हंसिये से मारा। बचाने आई बड़ी भतीजी पर भी हंसिया लेकर टूट पड़ा और 7 से 8 वार किए। दोनों की हत्या करने के बाद वह किचन से बेडरूम में पहुंचा और रो रही छोटी भतीजी पर पत्थर पटककर उसको मार डाला। आरोपी ने खून लगे कपड़े और हंसिया बाथरूम में जाकर बाल्टी में रख दिया। फिर बड़े भाई के कपड़े पहनकर हत्याकांड को लूट दिखाने के लिए अलमारी में रखे गहने और कैश लेकर भाग निकला। आरोपी पीडब्लूडी कर्मचारी है। पुलिस ने गहने बेचने में आरोपी का साथ देने वाले दोस्त को भी गिरफ्तार किया है। सागर में सिविल लाइन के नेपाल पैलेस इलाके में 30 जुलाई की रात वंदना पटेल (35), बड़ी बेटी अवंतिका (7) और छोटी बेटी अन्विका पटेल (3) के शव मिले थे। मां, बड़ी बेटी के शव किचन में पड़े थे तो छोटी बेटी का शव बेडरूम में मिला था। पुलिस ने गुरुवार को मामले का खुलासा करते हुए आरोपी देवर प्रवेश पटेल (30) और उसके दोस्त प्रकाश पटेल (27) को अरेस्ट किया है। प्रवेश दमोह में पीडब्लूडी में नौकरी करता है और दमोह के सरखड़ी में रहता है। प्रकाश सागर के ही अहमदनगर का रहने वाला है। प्रभारी एसपी डॉ. संजीव उईके के मुताबिक, प्रवेश के पास से बड़े भाई विशेष की टी-शर्ट, लोअर, डोरमेट, हंसिया, पत्थर का बट्टा, सोने का हार, चांदी की 4 चूड़ियां, 10 हजार रुपए कैश और स्कूटी जब्त की गई है।

सम्पादकीय

कुदरत के रौद्र रूप के सामने मानवीय व्यवस्था बौनी

वायनाड के इलाके में तमाम केंद्रीय व राज्य की एजेंसियां तथा सेना राहत-बचाव कार्य में जुटी हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया जा रहा है और विस्थापितों को राहत शिविरों में पहुंचाया जा रहा है। साथ ही लापता लोगों को तलाशने का काम युद्ध स्तर पर जारी है। हालांकि, तेज बारिश व विषम परिस्थितियों से राहत कार्य में बाधा पहुंच रही है।

केरल के वायनाड में आई तबाही में लाशों के निकलने का सिलसिला जारी है। वायनाड में आए भूस्खलन के मलबे से अब तक 276 शव निकले जा चुके हैं, अब भी 200 से ज्यादा लोग लापता हैं। जो लापता हैं उनके भी जीवित बचने की उम्मीद न के बराबर जताई जा रही है क्योंकि घटना को हुए 3 दिन हो गए हैं। बचाव अभियान में समय बीतता जा रहा है और रुक-रुक कर हो रही बारिश के कारण यह और चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है। 300 के करीब लोगों की मौत और सैकड़ों की गुमशुदगी निश्चित रूप से एक बड़ी मानवीय त्रासदी है।

वायनाड में आई आपदा का केंद्र इरुवाझिंझी नदी है, जो लगभग 1800 मीटर की ऊंचाई पर है और तीन प्रभावित गांवों- व्यथरी तालुका में मुंदक्कई, चूरलमाला और अट्टामाला से होकर बहती है। इसके बाद यह चलियार नदी में मिल जाती है। बारिश के बाद नदी के पानी में बढ़ोतरी हो गई और इसकी जल धाराएं ज्यादा तेज हो गईं. अधिकारियों का कहना है कि व्यथरी में 48 घंटों में लगभग 57 सेमी बारिश हुई, जिसके बाद इरुवाझिंझी में उफान आया और भूस्खलन हुआ. केरल के मुख्य सचिव वी वेणु ने कहा, इस तरह की बारिश, विशेष रूप से संवेदनशील उच्च पर्वतमाला में भूस्खलन को बढ़ावा दे सकती है। मंगलवार देर रात आई आपदा ने जन-धन की हानि को बढ़ाया है। भूस्खलन से उपजी बड़ी मानवीय त्रासदी इस बात का प्रमाण है कि प्राकृतिक रौद्र रूप को बढ़ाने में मानवीय हस्तक्षेप की भी बड़ी नकारात्मक भूमिका रही है। भूस्खलन और उसके बाद तेज बारिश से राहत व बचाव के कार्यों में बाधा आने से फिर स्पष्ट हुआ है कि कुदरत के रौद्र रूप के सामने आज भी सारी मानवीय व्यवस्था बौनी साबित होती है। ऐसी आपदाएं हमें सबक देती हैं कि भले ही हम कुदरत का कोहराम न रोक सकें लेकिन जन-धन की हानि को कम करने के प्रयास जरूर किए जा सकते हैं। वायनाड के इलाके में तमाम केंद्रीय व राज्य की एजेंसियां तथा सेना राहत-बचाव कार्य में जुटी हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया जा रहा है और विस्थापितों को राहत शिविरों में पहुंचाया जा रहा है। साथ ही लापता लोगों को तलाशने का काम युद्ध स्तर पर जारी है। हालांकि, तेज बारिश व विषम परिस्थितियों से राहत कार्य में बाधा पहुंच रही है। प्रथम दृष्टया इस तबाही को एक प्राकृतिक आपदा के रूप में वर्णित किया जा रहा है, लेकिन जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील इलाके और वन क्षेत्र को लगातार हुए नुकसान जैसे कारकों के प्रभाव को भी नकारा नहीं जा सकता। उल्लेखनीय है कि बीते वर्ष भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग सेंटर द्वारा जारी भूस्खलन के मानचित्र के अनुसार भारत के भूस्खलन की दृष्टि से सबसे अधिक संवेदनशील जिलों में दस जिले केरल में स्थित हैं। जिसमें वायनाड 13वें स्थान पर हैं। वर्ष 2021 के एक अध्ययन के अनुसार केरल में सभी भूस्खलन की दृष्टि से संवेदनशील इलाके पश्चिमी घाट में स्थित हैं। जिसमें इडुक्की, एनार्कुलम, कोट्टायम, वायनाड, कोझिकोड और मलप्पुरम जिले शामिल हैं। जाहिर है इस चेतावनी को तंत्र ने गंभीरता से नहीं लिया। दरअसल, यही वजह है कि लोकसभा में विपक्ष के नेता और वायनाड के पूर्व सांसद राहुल गांधी ने केंद्र सरकार से पश्चिमी घाट के पारिस्थितिकीय रूप से संवेदनशील क्षेत्र में प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती आवृत्ति को रोकने के लिये एक कार्ययोजना तैयार करने का आग्रह किया है। निस्संदेह, मौजूदा परिस्थितियों में जरूरी है कि विभिन्न राज्यों में ऐसी आपदाओं से बचाव की तैयारी करने और निपटने के लिये तंत्र को बेहतर ढंग से सुसज्जित करने के तौर-तरीकों पर भी युद्धस्तर पर काम किया जाए। यदि ऐसी आपदाओं से बचाव के लिये प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली विकसित कर ली जाती है तो जान-माल के नुकसान को कम किया जा सकता है। विडंबना है कि केरल के मामले में ऐसा नहीं हो पाया है। इसमें दो राय नहीं कि हाल के वर्षों में देश में आपदा प्रबंधन की दिशा में प्रतिक्रियाशील तंत्र सक्रिय हुआ है और जान-माल की क्षति को कम करने में कुछ सफलता भी मिली है, लेकिन इस दिशा में अभी बहुत कुछ करना बाकी है। इसके साथ ही पारिस्थितिकीय रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के विकास और पर्यटन को बढ़ावा देने के प्रभाव के बारे में विशेषज्ञों की चेतावनियों पर ध्यान देने की जरूरत है। इसके लिए राज्य सरकारों की सक्रियता, उद्योगों की जवाबदेही और स्थानीय समुदायों की जागरूकता की जरूरत है। वायनाड की त्रासदी का बड़ा सबक यह है कि हमें प्राकृतिक संसाधनों के विवेकपूर्ण ढंग से इस्तेमाल के प्रति नए सिरे से प्रतिबद्ध होना होगा। लेकिन विडंबना यह है कि विगत के वर्षों में वायनाड में कई बार हुई भूस्खलन की घटनाओं को राज्य शासन ने गंभीरता से नहीं लिया है। यह अच्छी बात है कि सभी राजनीतिक दलों व केंद्र तथा राज्य सरकार ने आपदा के प्रभावों से मुकाबले में एकजुटता दिखाई है।

चेतावनियों की अनदेखी का नतीजा है वायनाड त्रासदी

हम वैज्ञानिकों, पयार्वारणविदों और विशेषज्ञ संस्थानों की चेतावनियों की अनदेखी कर बैठे रहेंगे तो वायनाड जैसे भयावह हादसों का इंतजार करना पड़ेगा। पश्चिमी घाट और हिमालयी राज्यों में भूस्खलन का जोखिम अवश्य ही प्राकृतिक है जिसे हम दूर नहीं कर सकते लेकिन यह जोखिम मानवीय कारकों के कारण काफी बढ़ गया है, इसलिए बचने के लिए जरूरी है कि हम प्रकृति के साथ जीना सीखें और जहां तक संभव हो प्रकृति के साथ छेड़छाड़ न करें।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा गत वर्ष तैयार भूस्खलन की दृष्टि से संवेदनशील देश के 147 जिलों के मानचित्र में हिमालयी राज्यों में उत्तराखंड को सर्वाधिक और उसके बाद दक्षिण में केरल को दूसरे नंबर पर संवेदनशील दर्शाया गया था। दरअसल, इस मानचित्र में उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग और टिहरी समेत सभी 13 जिले भूस्खलन के लिए संवेदनशील बताए गए थे, जबकि उसी मानचित्र में केरल के सभी 14 में से 14 जिलों को भी संवेदनशील माना गया था, जिनमें केरल के थ्रिसूर को तीसरे, पालाक्काड पांचवें, मालपापुरम सातवें, कोजिकोडा दसवें और बायनाड को 13वें नंबर पर रखा गया था। इसरो द्वारा किए गए उस वैज्ञानिक अध्ययन का नतीजा हम पिछले साल हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में तो देख ही चुके थे लेकिन अब इसरो की भविष्यवाणी केरल में 30 जुलाई की प्रातः सामने आ गई। अगर समय रहते हम वैज्ञानिकों, पयार्वारणविदों और विशेषज्ञ संस्थानों की चेतावनियों की अनदेखी कर बैठे रहेंगे तो इसी तरह के भयावह हादसों का इंतजार करना पड़ेगा। पश्चिमी घाट और हिमालयी राज्यों में भूस्खलन का जोखिम अवश्य ही प्राकृतिक है जिसे हम दूर नहीं कर सकते लेकिन यह जोखिम मानवीय कारकों के कारण काफी बढ़ गया है, इसलिए बचने के लिए जरूरी है कि हम प्रकृति के साथ जीना सीखें और जहां तक संभव हो प्रकृति के साथ छेड़छाड़ न करें।

भारतीय वन सर्वेक्षण विभाग की 2001 की वन स्थिति रिपोर्ट पर गौर करें तो उस समय केरल में 11,772 सघन वन और 3,788 खुले वन थे। विभाग की नवीनतम 2021 की रिपोर्ट में सघन वनों को अति सघन और सामान्य सघन वन के रूप में वर्गीकृत किया गया है। इस रिपोर्ट में राज्य में 1,944 वर्ग किमी अति संघन, 9,472 वर्ग किमी सामान्य सघन और 9,837 खुले वन दिखाए गए हैं। नवीनतम रिपोर्ट के सघन वनों की दोनों श्रेणियों को जोड़ा जाए तो वह 11,416 वर्ग किमी बनता है। जबकि 2001 में राज्य में कुल 11,772 वर्ग किमी सघन वन थे।

इस तरह राज्य में दो दशकों में 356 वर्ग किमी सघन वन गायब हो गए। वर्ष 2019 की रिपोर्ट की तुलना में भी 2 साल के अंदर ही केरल में 36 वर्ग किमी सघन वन घट गए और खुले वनों का आकार 136 वर्ग किमी बढ़ गया। सघन वन धरती की एक प्राकृतिक छतरी होते हैं जो कि बारिश की तेज बूंदों को तो थामती ही है, साथ ही उन वृक्षों की जड़ें मिट्टी को जकड़े रखती हैं जिससे भूस्खलन रुकता है।

भूस्खलन पहाड़ी क्षेत्रों में ही होता है इसीलिए हिमालयी राज्यों के साथ ही पश्चिमी घाट से संबंधित कर्नाटक, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, गोवा और गुजरात के पहाड़ी क्षेत्रों को भूस्खलन के लिए अधिक संवेदनशील माना गया है।

केरल के 14 में से 10 जिले पहाड़ी हैं जहां 16, 959 वर्ग किमी क्षेत्र में वन हैं। इन वनों में 15,49 वर्ग किमी अति संघन, 7212 वर्ग किमी सामान्य सघन और 7212 वर्ग किमी खुले वन है। वनों को ह्रास इन्हीं पहाड़ी जिलों में हो रहा है। वायनाड का नवीनतम भूस्खलन केरल की कोई नयी त्रासदी नहीं है। यहां भूस्खलनों के लिए प्राकृतिक कारण तो अवश्य हैं मगर इसके लिए मानवीय कारण कम जिम्मेदार नहीं हैं। राज्य में 2001 में कोट्टायम जिले में भी एक बड़े भूस्खलन में कई लोग मारे गए और व्यापक क्षति हुई थी। मानसून के मौसम में, इडुक्की जिले और अन्य क्षेत्रों में भूस्खलन के कारण जान-माल का नुकसान के उदाहरण मौजूद हैं।

2018 की बाढ़ के साथ राज्य भर में कई भूस्खलन हुए। उस समय खासकर इडुक्की, वायनाड और मलप्पुरम के पहाड़ी जिलों में भारी नुकसान हुआ था। इसी तरह 2019 में भी विभिन्न जिलों में भीषण भूस्खलन हुआ। उस समय वायनाड में पुथुमाला और मलप्पुरम में कवलप्पारा जैसे इलाके गंभीर रूप से प्रभावित हुए थे। अगस्त 2020 में इडुक्की जिले के पेट्टीमुडी इलाके में एक भयावह भूस्खलन हुआ, जिसमें कम से कम 66 लोग मारे गए।

केरल में मानसून के मौसम में भारी और तीव्र वर्षा होती है जिससे मिट्टी की धारण क्षमता कमजोर होने से भूस्खलन होता है। कोचीन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीयूएसएटी) में वायुमंडलीय रडार अनुसंधान केंद्र के एक अध्ययन के अनुसार अरब सागर के गर्म होने से घने बादल तंत्र बन रहे हैं, जिससे केरल में कम समय में ही अत्यधिक भारी वर्षा हो रही है और भूस्खलन की संभावना बढ़ रही है। अध्ययन में कहा गया है कि वर्षा की तीव्रता में वृद्धि मानसून के मौसम में पूर्वी केरल में पश्चिमी घाट के उच्च से मध्य-भूमि ढलानों में भूस्खलन की संभावनाएं बढ़ रही है। वनों को कृषि और शहरी क्षेत्रों में बदलने से मिट्टी को स्थिर करने में मदद करने वाला प्राकृतिक वनस्पति आवरण कम हो रहा है। केरल के पहाड़ी क्षेत्रों में कुछ स्थानों पर जनसंख्या का केंद्रीकरण, तेजी से शहरीकरण और बुनियादी ढांचे के विकास होने से प्राकृतिक भूभाग और जल निकासी पैटर्न को बिगड़ रहा है, जिससे भूस्खलन का खतरा बढ़ गया है। विशेषज्ञों के अनुसार मानवीय गतिविधियों या प्राकृतिक घटनाओं के कारण प्राकृतिक जल निकासी पैटर्न में परिवर्तन से जल संचय और छिद्रों में पानी का दबाव बढ़ रहा है, जिससे ढलान अस्थिर हो रहे हैं।

भारत सरकार द्वारा भूस्खलन पारिस्थितिकीविद् माधव गाडगिल के नेतृत्व में गठित पश्चिमी घाट पारिस्थितिकी विशेषज्ञ पैनल ने 2011 में केंद्र को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी जिसमें सिफारिश की गई थी कि पूरी पहाड़ी श्रृंखला को पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र घोषित किया जाए और उनकी पारिस्थितिक संवेदनशीलता के आधार पर पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में विभाजित किया जाए। लेकिन उन सिफारिशों की अनसुनी कर दी गई।

भूस्खलन देशभर के पहाड़ी क्षेत्रों में एक आम भूवैज्ञानिक जोखिमों में से एक है। भारत में लगभग 0.42 मिलियन वर्ग किमी या 12.6 प्रतिशत भूमि क्षेत्र बर्फ से ढके क्षेत्र को छोड़कर, भूस्खलन के लिए संवेदनशील है। इसमें से 0.18 मिलियन वर्ग किमी उत्तर पूर्व हिमालय में पड़ता है।

पश्चिमी घाट और कोंकण पहाड़ियों (तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, गोवा और महाराष्ट्र) में 0.09 मिलियन वर्ग किमी और आंध्र प्रदेश के अरुकु क्षेत्र के पूर्वी घाट में 0.01 मिलियन वर्ग किमी भूस्खलन संवेदनशील चिन्हित किया गया है।

दरअसल केरल या उत्तराखंड ही नहीं बल्कि हिमालय के साथ ही दक्षिण के सभी पहाड़ी इलाके भूस्खलन की जद में हैं। इसरो ने देश के 17 राज्यों और दो केन्द्र शासित 147 जिलों को संवेदनशील माना है।

इसरों के जाखिम मानचित्र के अनुसार वर्ष 2014 से लेकर 2017 के बीच मीजोरम में 12,385, उत्तराखण्ड में 11,219, त्रिपुरा में 8,070, अरुणाचल में 7,689 जम्मू-कश्मीर में 7,280 और केरल में 6039 भूस्खलन दर्ज हुए। पूर्वोत्तर के जिलों में वनावरण का ह्रास भी भूस्खलन का एक प्रमुख कारण है।

बता दें कि एमएस स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन, कलपेट्टा के वैज्ञानिक जोसेफ जॉन ने वायनाड के भूस्खलन क्षेत्रों और स्थलाकृति के बारे में जानकारी दी है। जोसेफ ने कहा कि इन घटनाओं के पीछे प्रमुख वजह यहां की मिट्टी है। वायनाड में पिछले दो हफ्ते से लगातार बारिश हो रही थी। यहां की मिट्टी को सोखने की क्षमता से अधिक पानी मिलता है। वायनाड, मुंडक्कई और चूरलमाला में भूस्खलन की घटनाएं ब्लैक लेटरेट नामक मिट्टी में होती हैं। यह एक प्रकार की मिट्टी है जो अधिक कठोर नहीं होती और पानी को जल्दी से सोख लेती है और जल्दी से बहा भी देती है। जब लगातार भारी वर्षा होती है, तो मिट्टी सारा पानी जमीन में सोख नहीं पाती है।

सीयूएसएटी रडार रिसर्च सेंटर के वैज्ञानिक डॉ. एमजी मनोज ने भी बताया कि मिट्टी में पानी सोखने की क्षमता सीमित होती है। हर मिट्टी की जल धारण क्षमता अलग-अलग होती है। यदि आप पानी में थोड़ी सी चीनी डालेंगे तो वह घुल जाएगी। लगातार डालने पर यह घुलेगी नहीं। यही हाल मिट्टी का भी है। यदि लगातार बारिश होती रहे तो पानी सोख नहीं पाता। यदि पानी सीमा से अधिक पहुंच गया तो मिट्टी उसे स्वीकार नहीं करेगी। जब ऐसा होगा तो पर्वतीय जल में भूस्खलन हो सकता है। भूस्खलन की दूसरी वजह भारी वर्षा और इलाके की प्रकृति को माना जा रहा है। अंग्रेजों के समय से ही इस क्षेत्र को निर्जन और भूस्खलन और भू-धंसाव की आशंका वाला माना जाता रहा है। पुराने समय में यहां कोई नहीं रहता था। हाल के वर्षों में लोग प्रवास के तहत आ रहे हैं।

भारतीय परिवार पद्धति का क्षय और एकल परिवारों का जश्न

आदिकाल से चली आ रही भारतीय परिवार पद्धति एक सुनियोजित प्रथा है,जिसमें थोड़े से अनुशासन के साथ सभी सदस्य स्नेहपूर्वक मिलजुलकर अपनत्व से रहते हैं। यहां प्रेम, अपनत्व, त्याग और विश्वास की अविरल धारा बहती है। परिवार में छोटों को बड़ों की शीतल, स्नेहमयी, सुरक्षित छत्रछाया और सुसंस्कार मिलते हैं। तो बड़ों को दिली सम्मान देना छोटों का परमकर्तव्य होता है। इस सम्मान और स्नेहमयी छत्रछाया में जीवन बड़ा ही सुंदर और बेफिक्र बन जाता है। संयुक्त निर्वहन स्नेह और भरोसे का भाव डीएनए में होता है। आदिकाल से यह प्रथा चली आ रही है। पुरातन काल से चली आ रही इस प्रथा का हमारा इतिहास गवाह रहा है। राम, कृष्ण की गाथाएं भी इसका पुख्ता आधार रही हैं और 'वसुदेव कुटुंकम' इसका साक्ष्य। इस भारतीय परिवार पद्धति का लोहा विदेशों में भी माना जाता है। फिर न जाने क्यों इस प्यारे से समायोजन को नजर लगने लगी और व्यवस्थाओं में छोटी-छोटी सी सेंध लगने लगी। सेंध छोटी हो या बड़ी धीरे -धीरे किलों को ढहाने को पर्याप्त होती है। यह सेंध खूबसूरत परिवार प्रथा में भी लग गई। दो-दो, तीन-तीन पीढ़ियों के संयुक्त परिवारों में रहने वाले सदस्यों को अपनी आजादी और स्वार्थ के समक्ष सारी व्यवस्था छोटी और तुच्छ लगी और परिवार टूटकर बिखरने लगे। परिवारों में पीढ़ियों की एक साथ रहने वाली संख्या घटने लगी। संयुक्त परिवार टूटकर खंडित होने लगे। संयुक्त परिवारों की संख्या में भी कमी आने लगी। बात खिसक कर सिंगल परिवार तक आ गई। जहाँ 'हम दो हमारे दो' तक की सीमितता को गौरव और फैशन का स्केल समझा जाने लगा। बस यहीं से परिवार प्रथा के क्षय की कहानी भी शुरू होकर फलने-फूलने लगी। वो मूल स्नेहशक्ति और सम्मान के भाव कहीं डाईल्यूट होने लगे जो संयुक्त परिवार की शक्ति, पहचान और श्वसनतंत्र होते थे। हालाकि इस प्रकार से परिवारों के विघटन का प्रतिशत फिलहाल काफी बढ़ चुका है। किंतु कुछ जड़ से मजबूत संयुक्त परिवारों का बंधन भी मजबूती से बंधा हुआ है जो हमारी भारतीय परिवार प्रथा के साक्ष्य भी हैं और मिसाल भी। कभी जरूरतें और कभी मजबूरियां एकल परिवार को तोड़ -तोड़कर इनकी इकाइयों को लगातार बिखेर रही हैं। घर के बच्चे कभी पढ़ाई और कभी रोजगार के कारण घर से अलग होकर दूसरे शहरों में बसने लगे हैं। प्रेम की वो अविरल धाराएं भी तेजी से सूखने लगीं हैं जो भाई, बहनों और कजिन्स तक के लिये प्रवाहित होती थीं।

प्रकृति के शृंगार में शामिल होना ही सावन

वर्षा बूंदों का, अनुपम सावन का हमारे यहां बहुत महत्व रहा है। हम सावन आने से पहले ही प्रतीक्षा करते रहते हैं कि बादल आएंगे और अच्छी वर्षा होगी। कुछ नहीं बदला है। कारण यह है कि यह ऋतु बहुत महत्व रखती है। आप आसपास देखिए, कैसे कितने अंकुर उग आए हैं, नीम के सुंदर पौधे उग आए हैं। सावन तो है ही ऐसा महीना, जब वर्षा ऋतु अपने सुंदरतम रूप में और चरम पर होती है। बूंदों की रह-रह आहट होती है, कभी जोरदार बारिश होती है और हम इसकी भी कामना करते हैं कि यह बारिश साथ रहे, प्रकृति का सब कुछ धुल जाए, पर हमें झूलने का अवसर भी दे। आज भी लोगों के जीवन में झूलों का महत्व है। देश में कहीं भी चले जाइए, झूलों का महत्व सावन में बढ़ जाता है।

हम सब स्वयं अनुभव करते हैं कि सावन सबसे अच्छा समय है। समकालीन कला में भी सावन का गहरा असर हम देखते हैं। बात चित्रकला की हो या नृत्यकला की। लोक कलाओं में तो सावन का बहुत असर है। तमाम लोकगीतों में सावन किसी न किसी रूप में प्रस्तुत होता है। बूंदों, बादल, बारिश को लेकर असंख्य लोकगीत हैं, जो आज भी जगह-जगह गाए जाते हैं। हमारे बाकी मनोरंजन के साधनों में भी सावन खूब निखर कर सामने आता है। फिल्म मिलन का वह गीत - सावन का महीना पवन करे शोर, जियरा रे ऐसे झूमे, जैसे बनमा नाचे मोर। यह गीत भला कौन भूल सकता है और सावन के इंतजार का वह गीत, तुम्हें गीतों में ढालूंगा, सावन को आने दो। ये गीत हमें आज भी मुग्ध कर देते हैं, क्योंकि ये जो सावन की ध्वनि है, यह जो हमारी स्मृति में बसा हुआ सावन है, वह सारी चीजें अपने आप ले आता है। सरोवर सराबोर हो रहे हैं, नदियां उफान पर हैं, ऊपर मेघ छाए हुए हैं। ऐसे मेघ छाए हुए हैं, जिनको लेकर गोस्वामी तुलसीदास जी ने लिखा है - जब सीता बिछुड़ गई हैं और तब राम जी अकेले हैं- घन घमंड नभ गरजत घोरा । प्रिया हीन डरपत मन मोरा।। जब बादल आते हैं, गरजते हैं, बरसते हैं, बिजली चमकती है, तब ईश्वर भी अकेले रहना नहीं चाहते। सावन में किसी न किसी का साथ चाहिए, स्नेह चाहिए।

महानगरों में तो सावन का उतना असर नहीं रहा, पर कस्बों में अभी भी सावन झूमकर आता है। गांवों, खेतों में हम क्या दृश्य देखते हैं, खाने पीने के दृश्य, व्यंजन बनने के मोहक दृश्य, हर जगह महकती चाय, पकौड़े। अभी मैं मध्यप्रदेश में था, वहां पोहा-जलेबी का कितना आनंद है! वर्षा ऋतु में यह आनंद और बढ़ जाता है। धर्म-कर्म भी बढ़ जाता है। हम सब जानते हैं कि सावन और सावन में भी सोमवार का क्या महत्व है। लोग किस उत्साह से भगवान शिव की पूजा करते हैं। कांवड़ यात्रा निकलती है। एक तरह से समाज का हर वर्ग किसी न किसी तरह से वर्षा ऋतु के आने का उत्सव मनाता है। प्रकृति के शृंगार में शामिल होना ही सावन है। अभी मैंने ग्वालियर में सुना एक लोक गायिका चंदन तिवारी को, कजरी, दादरा, ठुमरी, उन्होंने सब सुनाया। नाना विधियों से इस मौसम में हम उत्सव मनाते रहे हैं, अपने सुगम संगीत से शास्त्रीय संगीत तक। ऐसे मौसम में गायन, वादन श्रवण का आनंद बहुत बढ़ जाता है। कजरी तो सावन से कितनी ज्यादा जुड़ी हुई है, इसका लंबा इतिहास है। गिरिजा देवीजी की याद आती है, सावन में अनेक प्रियजनों की याद आती है। जिन लोगों ने भी हमारे जीवन में रस भरा है, उनकी याद आती है।

आप देखिए, मीठे रसीले आम का भी यही मौसम है। अभी ही मैं ग्वालियर में आम उत्सव मनाकर लौटा हूं। सावन में आम के दिन अभी हैं और पंद्रह-बीस। आमों के विविध प्रकार हैं, उन सभी को देख-देखकर भी खुशी होती है। अपने देश में आमों पर ही कितना लिखा गया है।

जैसे आम की याद सालभर बनी रहती है, ठीक उसी तरह सावन के गीतों की याद भी सालभर बनी रहती है। पूरे साल में पसर जाता है सावन, वह हर मौसम-महीने याद आता है। ऐसे सावन का उत्सव केवल सावन में ही नहीं मनाया जाता, लोग अपनी स्मृतियों में भी सावन मनाते रहते हैं। जब वर्षा ऋतु आती है, उससे भी पहले हम सावन की कल्पना करने लगते हैं। देखिए, हमारे देश में ऋतुओं का यह अद्भुत बंटवारा। बसंत ऋतुराज है, तो बहुतों के लिए सावन बहुत महत्व रखता है। आषाढ़ भी किसी को पसंद है। कालिदासजी ने लिखा ही है आषाढ़स्य प्रथम दिवसे।

हां, आज सावन या अन्य ऋतुओं में नई पीढ़ी की दिलचस्पी उतनी नहीं रह गई है, तो इसमें हमारा भी दोष है। हमने युवाओं को बताया नहीं है, वे नहीं जानते हैं। पुरानी पीढ़ी ने तो सावन को अलग तरह से देखा है, झूलों का जो आनंद कभी हमने सावन में उठाया है, उसे हम कभी भूल नहीं सकते। अभी भी झूले लहराते हैं, पर अब कम हो गए हैं। हमारे पूरे सांस्कृतिक, सामाजिक जीवन में सावन खास है। अमराई की बात कीजिए, तो उसकी भी याद आती है। अमराई का मतलब ही यह है कि हमारा एक सामूहिक जीवन था। आम का बाग है, उसमें से सब गुजर सकते हैं, कोई आम टपका हुआ मिले, तो सब खा सकते हैं। वर्षा की बूंदों को भी आप देखिए, तो पेड़ों से झर रही हैं। उनका झरना, पेड़ों का धुल जाना अपूर्व है। इन सब चीजों को अनुभव करने का समय ऐसा लगता है कि हमारे महानगरों के लोगों के जीवन में उतना नहीं रहा। वह लौटे, ऐसी कामना करता हूं।

मेरा तो जीवन ही ऋतुओं के सहारे चलता है, ऋतुओं की सुगंधियों के सहारे चलता है। सावन में ही देखिए, गीली मिट्टी से कैसी खुशबू उठ रही है। वनस्पतियों से किस तरह नाना विधि सुगंधियां निकल रही हैं। एक मिली-जुली महक भी उठ रही है! बहुत अच्छी लग रही है। हर ऋतु के अपने फल, फूल हैं, तो सावन के भी अपने फल, फूल हैं। अज्ञेय की कविता रात सावन की अभी बहुत याद आ रही है, उसे फिर गुनगुना लेना चाहिए- रात सावन की / कोयल भी बोली / पपीहा भी बोला/ मैंने नहीं सुनी / तुम्हारी कोयल की पुकार / तुमने पहचानी क्या / मेरे पपीहे की गुहार / रात सावन की / मन भावन की / पिय आवन की / कुहू-कुहू / मैं कहां - तुम कहां - पी कहां!

लाडली बहनों को रक्षा बंधन का उपहार देने चित्रकूट पहुंचे मख्यमंत्री

चित्रकूट सहित सतना जिले की 131 करोड़ रुपए की योजनाओं का किया शिलान्यास

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ
सतना, चित्रकूट में जियोपार्क स्थापना कार्यशाला और प्रदेश की लाडली बहनों को रक्षा बंधन पर्व के लिए 250/- रु की उपहार राशि देने के लिए मुख्यमंत्री मोहन यादव गुरुवार एक अगस्त को चित्रकूट पहुंचे। चित्रकूट उद्यमिता विद्यापीठ स्थित विवेकानंद सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री द्वारा बहनों के लिए गाना फूलों का तारों का ये ही कहना है,एक हजारों मे मेरी बहना है गाते हुए अपना उद्बोधन शुरु किया गया। रक्षा बंधन को पावन पवित्र त्योहार बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि त्योहार हमारे जीवन में प्रेम और विश्वास लाते हैं। सरकार ने तय किया है कि प्रदेश भर में आज से 10 तारीख तक प्रत्येक जनप्रतिनिधि अपनी बहनों के साथ रक्षा बंधन का पर्व मनाएंगे। रक्षा बंधन पर्व भाई बहन का अदभुद पर्व और सभी त्योहारों का राजा है।पर्व को मनाने के लिए सभी बहनों को 250/- रु दिए गए हैं। इसके अलावा घरेलू गैस सिलेंडर के लिए बहनों को 450/- रु की राशि प्रदान की जाएगी। सरकार सभी पर्वों और त्योहारों को सामाज के साथ मिलकर मनाना चाहती है।इस अवसर पर मैं सभी बहनों को रक्षा बंधन पर्व की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं, साथ ही चित्रकूट में हो रही सभी वसूली को बंद करने का निर्देश मंच से ही दिया वही लाडली बहनों द्वारा मुख्यमंत्री को एक बड़ी राखी उपहार स्वरुप भेंट की गई। चित्रकूट में जियोपार्क स्थापना हेतु कार्यशाला का भव्य शुभारंभ= जियोपार्क बनने से होगा क्षेत्र का विकास= मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव चित्रकूट, 1 अगस्त 2024= चित्रकूट में संभावित जियोपार्क की स्थापना के लिए एक महत्त्वपूर्ण फील्ड कार्यशाला एवं सामूहिक चर्चा का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम दीनदयाल शोध संस्थान, चित्रकूट के सहयोग से द सोसाइटी ऑफ अर्थ साइंटिस्ट्स, आईआईटी-कानपुर, और भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा आयोजित किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य चित्रकूट में जियोपार्क की स्थापना की संभावनाओं पर चर्चा करना और इस दिशा में आवश्यक कदम उठाना था। कार्यक्रम का उद्घाटन सत्र दोपहर 1=30 बजे विवेकानंद सभागार, उद्यमिता परिसर में आयोजित किया गया। इस महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन सिंह ने शिरकत की और दीप प्रज्वलन कर उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह का संचालन डॉ. सतीश त्रिपाठी, सचिव, सोसाइटी ऑफ अर्थ साइंटिस्ट्स द्वारा किया गया। आज के इस कार्यक्रम विधानसभा अध्यक्ष माननीय नरेंद्र सिंह तोमर जी, प्रतिमा बागरी पंचायत एवं न्याय मंत्री, सतना सांसद गणेश सिंह जी, जिले के अनेकों विधायक सामाजिक संगठन के लोग तथा हजारों की तादाद में माताएं एवं बहने उपस्थित थी.

पहली बार चित्रकूट जा रहे विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर जी का कोठी में भव्य स्वागत

डिंपू सिंह की अगुवाई में कोठी में ढोल नगाड़ा एवं पटाखों के साथ फूल मालाओं से किया स्वागत

सिटी चीफ । उमेश कुशवाहा
सतना, भाजपा के सक्रिय कार्यकर्ता एवं समाजसेवी सोनौर निवासी समाजसेवी डिंपू सिंह एवं गुड्डू सिंह द्वारा पहली बार चित्रकूट जा रहे विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर जी का कोठी के सोनौर चौराहे पर अपने सैकड़ो साथियों के साथ भव्य स्वागत किया गया, समाजसेवी डिंपू सिंह की अगुवाई में उनके साथी एवं भाजपा कार्यकर्ताओं ने ढोल नगाड़ा एवं पटाखों के साथ फूल मालाओं से विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर जी का भव्य स्वागत किया गया इस दौरान उनके साथ चित्रकूट के विधायक सुरेंद्र सिंह गहरवार भी मौजूद रहे स्वागत के उपरांत सोनौर के चौराहे पर स्थापित अमर शहीद ठाकुर रणमत सिंह की प्रतिमा पर विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर जी द्वारा माल्यार्पण किया गया इस दौरान मुख्य रूप से गुड्डू सिंह भाजपा मंडल कोठी के उपाध्यक्ष दीपक सिंह धीरेंद्र सिंह सोनौर छोटन सिंह सोनौर बेटा सिंह पूर्व पार्षद कोठी हीरामन सिंह पूर्व सरपंच मदनी रामगोपाल डोहर हाटी बेटा कुशवाहा पूर्व सरपंच कंचनपुर बृजेश पाठक सहित सैकड़ो की संख्या में लोग उपस्थित रहे

सहकारिता एवं उद्योग समिति की बैठक दिनांक 2 को जिला पंचायत बालाघाट की अध्यक्षता में की जाएगी बैठक

लकेश पंचेश्वर ।सिटी चीफ लालबर्रा, सहकारिता एवं उधोग समिति जिला पंचायत बालाघाट की अध्यक्षता में सहकारिता एवं उद्योग समिति की बैठक बालाघाट दिनांक 02-08-2024 दिन शुकवार समय अपरान्ह 11.00 बजे से कार्यालय जिला पंचायत, बालाघाट के सभाकक्ष में आयोजित की गई है। तत्संबंध में जानकारी देते हुए जिला पंचायत सदस्य व सभापति झामसिंह नागेश्वर ने बताया कि बैठक में निम्नानुसार विषयों पर समीक्षा की जाना है पूर्व बैठक की कार्यवाही विवरण की समीक्षा सभी स्वरोजगार योजनाओं से संबंधित विभागों की अद्यतन प्रगति की समीक्षा सहकारिता विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा वर्ष 2022-23 एवं 2023-24 में समस्त स्वरोजगार योजनाओं से स्वीकृत प्रकाणों की समीक्षा की जाना है सभी विभागीय अधिकारियों को जानकारी सहित उपस्थित होने के निर्देश जारी किए गए है।

साहित्य संगीत एवं नाट्य समागम में साहित्यकारों और कलाकारों ने दी अपनी प्रस्तुति

पटना में तीन दिवसीय साहित्य, संगीत एवं नाट्य समागम का हुआ भव्य समापन

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ
पटना, कला संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार सरकार के तत्वॉवधान में साहित्यिक संस्था सामयिक परिवेश द्वारा आयोजित तीन दिवसीय साहित्य, संगीत एवं नाट्य समागम का आज भव्य समापन हुआ। प्रेमचंद रंगशाला में अंतिम दिन कार्यक्रम का उद्घाटन कला संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार सरकार के निदेशक श्रीमती रूबी के कर कमलों से हुआ। अपने उद्घाटन भाषण में श्रीमती रूबी ने साहित्य संगीत एवं नाट्य समागम जैसे आयोजन आयोजकों की सराहना की और कहा कि कला संस्कृति विभाग लगातार कला, कलाकारों और संस्कृति और संस्कृतिकर्मियों को प्रोत्साहित करता रहा है। विभाग के माध्यम से सरकार स्तरीय कार्यक्रम को सहयोग भी करती है। आखिरी दिन उद्घाटन अवसर पर श्रीमती ताबिशी बहल पांडे,पासपोर्ट अधिकारी पटना, आईएफएस, सुमन कुमार निदेशक,कला जागरण, सामयिक परिवेश की संस्थापिका ममता मेहरोत्रा, सचिव अशोक कुमार सिन्हा, मुकेश महान, विभा सिंह सहित कई सम्मानित लोग उपस्थित थे।

मौके पर सामयिक परिवेश की संस्थापिका ममता मेहरोत्रा ने कहा कि तीन दिनों का हमारा यह सांस्कृतिक महायज्ञ आज संपन्न हो रहा है। हम उन सभी साहित्यकारों कलाकारों को धन्यवाद देते हैं उनका आभार प्रकट करते हैं जिन्होंने इसमें भाग लेकर कार्यक्रम को गौरव प्रदान किया । श्रीमती मेहरोत्रा ने सहयोग के लिए कला संस्कृति विभाग , बिहार सरकार का भी आभार प्रकट किया। इस समागम के अंतिम दिन कार्यक्रम की शुरुआत लिटेरा पब्लिक स्कूल के बच्चों की प्रस्तुति से हुई। बाल कलाकारों की प्रस्तुति ने वहां उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के दूसरे चरण में गजल गायन की प्रस्तुति थी। राष्ट्रीय स्तर पर ख्यातिलब्ध शायर क़ासिम खुरशीद के संयोजन में ममता मेहरोत्रा , सुनील कुमार तंग, अनिरूद्ध सिन्हा, शिव नारायण, दिलशाद नज़मी,सुशील साहिल अराधना प्रसाद,गोरख प्रसाद मस्ताना, अविनाश अमन , अरूण कुमार आर्य और शबाना इशरत ने अपनी गजल गायकी प्रस्तुत की। अंत में मुहम्मद अली निर्देशित नाटक पुनर्जन्म के सफल मंचन के साथ इस तीन दिवसीय समारोह का समापन हुआ।

मध्य प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर जी का हुआ ऐतिहासिक स्वागत

स्वागत करने की लगी कतार, भाजपा जिंदाबाद के नारों से गुंजायमान हुआ रेलवे स्टेशन

सिटी चीफ । उमेश कुशवाहा
सतना, मध्य प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर का आगमन रेवांचल एक्सप्रेस से जैसे ही हुआ कार्यकर्ताओं ने जिंदाबाद के नारों से पूरे स्टेशन को गुंजायमान कर दिया ढोल नगाड़ों पटाखे पुष्पवर्षा और पुराने कार्यकर्ताओं के द्वारा किए गए स्वागत को देखकर मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर जी ने कहा कि सतना के कार्यकताओं का स्नेह सदैव मिलता है आप सभी के उत्साह स्नेह का सदैव ऋणी रहूंगा । स्वागत करने वालों में सांसद गणेश सिंह, सुरेन्द्र सिंह गहरवार, महापौर योगेश ताम्रकार,जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल, नगर निगम अध्यक्ष राजेश चतुर्वेदी पालन, पंडित रामदास मिश्रा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य नरेन्द्र त्रिपाठी, लक्ष्मी यादव, गगनेंद्र सिंह अखण्ड प्रताप सिंह पुष्पराज बागरी, सुरेन्द्र सिंह बघेल मनसुख पटेल सुधीर सिंह तोमर रविन्द्र सिंह सेटी ममता पांडेय अनिल जयसवाल जिला उपाध्यक्ष- बाबूलाल सिंह पटेल, अशोक गुप्ता, विजय तिवारी, बालेन्द्र गौतम, जिला महामंत्री ऋषभ सिंह,जिला मंत्री श्रीमती जान्हवी त्रिपाठी, शुभम तिवारी, संजीव द्विवेदी, कोषाध्यक्ष जयप्रताप गुप्ता, जिला कार्यालय मंत्री सुनील सेनानी, जिला सह कार्यालय मंत्री अभिषेक कुमार तिवारी, जिला मीडिया प्रभारी श्यामलाल गुप्ता श्यामू, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष सौभाग्य केसरी महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष सीमा सिंह यादव संजय अग्रवाल डॉ उपेन्द्र सिंह रमेश तिवारी राजेश तिवारी सहित भाजपा कार्यकर्ताओं ने रेल्वे स्टेशन पहुंच कर स्वागत किया।

विभाग कि लापरवाही के चलते झामूल पंचायत में अब तक नहीं लगा हर घर नल

विभाग ने पंचनामा बनाकर किया खानापूर्ति धरातल पर काम शुन्य

लाकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ
बालाघाट, बिरसा जनपद पंचायत अन्तर्गत आने वाली ग्राम पंचायत झामूल में नल जल योजना अन्तर्गत लगने वाला नल आज तक एक भी घरों में नहीं लगा है, जिससे ग्रामीणों को शुद्ध जल नहीं मिल पा रहा है वहीं अधिनस्थ कर्मचारियों ने चालाकी से अपने अधिकारियों को जानकारी देने के लिए 95 प्रतिशत काम को पूर्ण बताया है, जो कि धरातल पर काम शुन्य है उक्त लापरवाही के आरोप ग्राम सरपंच गौतरिया मरावी ने पीएचई विभाग व ठेकेदार पर लगाया है तथा ऐसे लापरवाह अधिकारियों व कर्मचारियों पर कार्यवाही कि मांग जिला प्रशासन से भी कि गई है।

वहीं सरपंच ने आगे जानकारी देते हुए बताया कि उक्त कार्य को प्रारंभ करने हेतु ठेकेदार व संबंधित कर्मचारी हमारे पंचायत में आये हुए थे तथा अवगत कराये थे कि शासन कि योजना अंतर्गत आपके पंचायत में नल जल योजना अन्तर्गत हर घर में नल लगाया जायेगा जिसके लिए ठेकेदार ने जमीन के अंदर पाइपलाइन बिछाई है लेकिन आज तक एक भी घरों में पानी नहीं मिल पा रहा है।

वहीं हम आपको अवगत करा देवें कि इस योजना को लेकर बहुत प्रचार प्रसार किया गया था कि हर घर जल और हर घर नल जबकि इस योजना को लेकर करोड़ों कि राशि भी स्वीकृत हुई थी लेकिन अधिकतर इस योजना पर कमीशन व भ्रष्टाचार तथा काम पर लापरवाही के ही आरोप लग रहे हैं।

पंचनामा कार्यवाही कर कर्मचारियों द्वारा किया गया गुमराह

ज्ञात हो कि उक्त कार्य को प्रगतिरत बताने व ग्रामीणों को विश्वास में लेने के लिए कर्मचारियों ने 27 जून दिन गुरुवार 2024 को पंचायत में आकर पंचनामा बनाये थे तब मौके पर सरपंच, ग्राम रोजगार सहायक व सहायक यंत्री, उपयंत्री, ठेकेदार सुपर वाईजर आदि लोगों कि उपस्थिति में उक्त कार्य का विवरण दिया गया है, और उसमें साफ साफ लिखा गया है कि 95 प्रतिशत काम हो चुका है केवराटोला के 25 घरों के लिए अतिरिक्त नलकूप एवं बिजली का कार्य किया जाना है जो प्रगतिरत है बनियाटोला में पानी नहीं मिल रहा है सुधार कार्य कर काम चालू किया जाना है सिलाटीटोला में नई पाईप लाईन को पुरानी पाईप लाईन से जोड़कर परीक्षण किया जाना है सहित अन्य और भी बातें इस पंचनामा में उल्लेख किया गया है तथा एक सप्ताह के भीतर काम चालू कर दिया जाएगा, लेकिन एक माह से अधिक समय बित गया लेकिन अभी तक ठेकेदार, कर्मचारी व अधिकारीयों का अता पता नहीं है ना ही अभी तक किसी के घर में नल लगा है और संबंधित अधिकारीयों को गुमराह किया जा रहा है कि इस पंचायत में 95 प्रतिशत काम हो चुका है।इस तरह से भी कर्मचारियों के द्वारा गुमराह किया जाता है सरपंच ने ऐसे लापरवाह ठेकेदार व कर्मचारियों पर कार्यवाही कि मांग कि है। तथा ग्राम सरपंच ने जिलाधीश महोदय से मिडिया के माध्यम से मांग कि उक्त कार्य को यथाशीघ्र ही प्रारम्भ करवाया जाये तथा ऐसे लापरवाह ठेकेदार कर्मचारी व अधिकारीयों पर कार्यवाही कि मांग कि है। ***वहीं अब देखना यह है कि खबर प्रकाशन के बाद जिम्मेदार अधिकारी कब हरकत में आता है तथा कब तक गांव में हर घर नल योजना का लाभ मिलता है या फिर आगे भी ऐसी ही लापरवाही चलती है।***

500 से अधिक NSUI कार्यकर्ताओ ने यूनिवर्सिटी का घेराव किया

ग्वालियर जीवाजी विश्वविद्यालय के बाहर NSUI का जंगी प्रदर्शन किया

अरविंद सिंह पवैया । सिटी चीफ ग्वालियर, ग्वालियर जीवाजी विश्वविद्यालय के बाहर NSUI और युवक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मितेन्द्र सिंह के नेतृत्व में जंगी प्रदर्शन किया गया है, जीवाजी विश्वविद्यालय से संबद्ध B.Ed कॉलेजों में हुए फर्जीवाड़े और BBA सहित अन्य संकायों में विद्यार्थियों के लिए सीटें बढ़ाये जाने की मांग सहित, अन्य मुद्दों को लेकर यह प्रदर्शन किया गया है, युवक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मितेन्द्र दर्शन सिंह और एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष चौकस को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है उन्हें जेल भेज दिया गया है, पुलिस को इन्हें काबू में करने के लिए हल्का बल प्रयोग भी करना पड़ासैकड़ो की संख्या में nsui के कार्यकर्ता विश्वविद्यालय का घेराव करने पहुंचे थे, प्रोटेस्ट के दौरान nsui के प्रदेश अध्यक्ष की पुलिस से झूम झटकी भी हुई है पुलिस ने दो दर्जन से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है, पुलिस का कहना है कि जबरन बैरिकेडिंग तोड़कर यह सभी विश्वविद्यालय में घुसकर तालाबंदी करने की कोशिश कर रहे थे प्रदर्शनकारियों की मांग है कि विश्वविद्यालय प्रबंधन भ्रष्टाचार रोकने में नाकाम है, इसलिए विश्वविद्यालय में धारा 52 लगाई जाए।

यूथ कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष मितेंद्र सिंह ने एवं अन्य कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ ग्वालियर एसपी को दिया गया ज्ञापन

पुलिस ने मामले में उचित जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया

अरविंद सिंह पवैया । सिटी चीफ यूथ कांग्रेस के प्रदेश महासचिव के साथ सिरोल थाने के दो पुलिस कर्मियों द्वारा की गई मारपीट के विरोध में यूथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मितेंद्र दर्शन सिंह के नेतृत्व में आज एसपी ऑफिस पहुंचकर प्रदर्शन कर अपना विरोध जताया और ग्वालियर एसपी को संबंधित पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए ज्ञापन भी दिया। दरअसल ग्वालियर के सिरोल थाना क्षेत्र में रहने वाले यूथ कांग्रेस के प्रदेश महासचिव लोकेंद्र गुर्जर का आरोप है कि सचिन तेंदुलकर मार्ग पर हुए एक झगड़े के दौरान जब वहां से गुजर रहे थे तब वहां सिरोल थाने में पदस्थ पुलिसकर्मी राकेश मीणा, और उपेंद्र धाकड़ द्वारा उन्हें बिना कुछ किए जबरन पकड़ लिया गया और गाली गलौज की गई जब उन्होंने विरोध जताया तो पुलिसकर्मी उन्हें मारने के लिए दौड़े और कॉलर पकड़कर थाने ले गए थाने में भी उनके साथ बदसलूकी की गई इसलिए आरोपी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की जाए। लोकेंद्र गुर्जर के साथ एसपी ऑफिस पहुंचे यूथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मितेंद्र दर्शन सिंह का कहना है कि हमारे कार्यकर्ता के साथ सिरोल थाने के पुलिसकर्मियों द्वारा बदसलूकी गई है जो कि सरासर गलत तरीका है पुलिस का मिजाज सभी के लिए एक समान होना चाहिए इसीलिए हमने एसपी को चेतावनी स्वरूप ज्ञापन दिया है कि ऐसे पुलिसकर्मियों पर कठोर कार्रवाई की जाए अन्यथा यूथ कांग्रेस आंदोलन के लिए मजबूर होगी एसपी ऑफिस पहुंचे यूथ कांग्रेस के नेताओं को यहां पुलिस द्वारा मामले में उचित जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया गया।

पुलिस अधीक्षक उज्जैन द्वारा कर्तव्य के प्रति लापरवाही बरतने पर पुलिस अधिकारी को किया अर्थदंड से दंडित

पुलिस अधीक्षक उज्जैन द्वारा आज दिनांक को थाना नीलगंगा, थाना नानाखेड़ा, थाना जीवाजीगंज का औचक निरीक्षण दौराने थाना नीलगंगा में उपस्थित सहायक उपनिरीक्षक राजेंद्र ठाकुर, एवम् दीपक कुमार से थाने के आरोपियों के संबंध में जानकारी चाही गई जिसमें सहायक उपनिरीक्षक राजेंद्र ठाकुर का जवाब संतुष्टि जनक ना होने पर उन्हें एक हजार अर्थ दंड से दंडित किया गया हैं।

मल्हारगढ़ वार्ड क्रमांक 9 जोशी गली में सड़क निर्माण का भुमिपुजन किया

कछावा मल्हारगढ़ मुख्य मंत्री शहरी कायाकल्प योजनांतर्गत वार्ड क्रमाक 09 जोशी में सीसी सड़क निर्माण का भुमिपुजन मंडल भाजपा अध्यक्ष श्री जितेन्द् जाट,बुढ़ा मंडल अध्यक्ष श्री राजेन्द् राणा नगर भाजपा अध्यक्ष आशीष विजयवर्गीय नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती शर्मिला देवी प्रकाश सेन कच्छावा, उपाध्यक्ष राधेश्याम प्रजापति,लोक निर्माण सभापति खुमानसिंह सोलंकी,सभापति विजय लक्ष्मी बटवाल,अनिता दीनदयाल माली,वार्ड पार्षद निकहत मेव ने किया । इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि अभिषेक मुजावदिया,विधायक प्रतिनिधि रमेशचंद विजयवर्गीय,नगर महामंत्री मनीष चौहान,अध्यक्ष प्रतिनिधि प्रकाश कछावा,पार्षद् प्रतिनिधि हाफिज मेव,दीनदयाल माली ,धर्मेन्द् गेहलोत,योगेश कछावा, प्रकाश जोशी,फारुख पठान,शांतिलाल जोशी,संजय बोराना,शुभमसिंह उपयंत्री भावेश गगरानी,निकाय कर्मचारी दिनेश प्रजापति, संजय टेलर , वार्डवासी उपस्थित थे।

थांदला क़ी धरा को ज़िन्दगी भर नहीं भूल सकता संत, महात्मा क़ी नगरी को प्रणाम -शीतल जैन

श्री जैन के 22 वर्षो के कार्यकाल मे नगर विकास क़ी प्रथम पंक्ति मे पंहुचा- पप्पू बारिया प्रभारी सीएमओ.

थांदला- नगर परिषद थांदला के प्रभारी सीएमओ का स्थानांतरण होने पर विदाई समारोह में कर्मचारियों की आंखों में आंसू देखे गए।वही वरिष्ठ पार्षद समर्थ उपाध्याय ने कहा कि शीतलजी से हमें बहुत कुछ सीखने को मिला उनकी कार्यशैली से नगर ऊंचाइयों पर पहुंचा है। सीएमओ शीतल जैन का जिले के ही मेघनगर स्थानांतरण हो गया है। स्थानांतरण हो जाने पर उनके सम्मान मे नगर परिषद सभाकक्ष में समस्त स्टाफ गणमान्य नागरिक गण के द्वारा विदाई सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। विदाई सम्मान समारोह की अध्यक्षता वरिष्ठ पार्षद एवं पूर्व मण्डल अध्यक्ष समर्थ उपाध्याय के आतिथ्य मे संपन्न हुवा इस मौके पर आयोजित सम्मान सह विदाई समारोह में शाल, श्रीफल भेट कर शीतल जैन का स्वागत सम्मान किया गया. बिदाई समारोह को सम्बोधित करते हुवे श्री उपाध्याय ने कहा क़ी वर्षो से नगर परिषद मे पदस्थ शीतल जैन के कार्यकाल क़ी सराहना करते हुवे उनके दीर्घायु एवं सुखमय जीवन क़ी कामना क़ी । विदाई समारोह मे बतौर मुख्य अतिथि के रूप मे नव नियुक्त प्रभारी सीएमओ पप्पू बारिया ने कहा क़ी पिछले 22 वर्षो से अधिक समय तक शीतलजी ने इस नगर क़ी सेवा कर के नगर मे विकास के नये आयाम स्थापित किये है जैन साहेब से हमें बहुत कुछ सिखने को मिला है उनकी कार्यशेली से नगर उचाईयो पर पंहुचा है. बिदाई समारोह मे प्रभारी सीएमओ शीतल जैन ने कहा क़ी अधिकारियो, कर्मचारियों से मिले सम्मान से मे अभिभूत हु आप सभी अपनी नैतिक ज़िम्मेदारीयों का निर्वाह करते हुवे नगर परिषद को अपनी कार्यशेली से आगे बढ़ावे और शासन द्वारा संचालित योजनाओं को नगरीय क्षेत्र मे पहुंचाने का कार्य करें. क्योंकि अच्छे कार्य करने वाले को हमेशा प्रशंसा मिलती है श्री जैन ने कहा क़ी थांदला क़ी धरा को वो ज़िन्दगी भर नहीं भूल पावेगे.

बिदाई समारोह मे कार्यक्रम के दौरान सभी क़ी आंखे नम थी वही महिला कर्मचारी के आँखों से अश्रु धरा बह रही थी. गरिमामय कार्यक्रम मे ओम नागर, विजय गिरी, यसदीप अरोरा, निलेश नागर, गोराँक सिँह राठौर,अमित त्रिवेदी, धनजी राणा, कन्नू भगोरा, गोलू चारेल, धार्मिक आचार्य, टीटिया देवदा, पीटर, बदिया, कालू मामा, रायमल, दिलीप, रमेश भाई, राजू, मनीष, हिना शेख, उर्मिला प्रजापत, एतरी गरवाल, सुनीता मैडम सहित परिषद के कर्मचारी मौजूद थे।

बिजली कंपनी के स्मार्ट मीटर दिखा रहे उपभोक्ताओं को कमाल, तीन गुना अधिक आ रहे हैं विद्युत बिल

स्मार्ट मीटर की वजह से जनता में जबरदस्त जन आक्रोश

नीमच। बिजली कंपनी द्वारा घर-घर लगाए जा रहे स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को कमाल दिखाने लगे हैं। स्मार्ट मीटर लगने के बाद खपत का आंकड़ा तीन गुना बढ गया है। अधिक विद्युत बिल आने से उपभोक्ता परेशान है, पर उनकी बिजली कंपनी के अधिकारी सुनवाई करने को तैयार नहीं है। हालात यह है कि जिन उपभोक्ताओं को साल 2023 में जून माह की प्रचंड गर्मी में अधिकाधिक बिजली का उपयोग करने के बाद भी 1-2 हजार रूपए के बिजली मिले थे, उन्हें इस बार स्मार्ट मीटर लगाने के बाद जून 2024 में उपयोग की गई बिजली की खपत के बिल 4-5 हजार रूपए से अधिक मिले हैं, इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद उपभोक्ताओं की जेब पर तीन गुना भार अधिक बढ गया है। यह मुद्दा उठाते हुए कांग्रेस नेता व जिला पंचायत सदस्य तरूण बाहेती ने आरोप लगाया कि स्मार्ट मीटर भाजपा सरकार की जनता के जेब से वसूली करने की सोची समझी साजिश है। स्मार्ट मीटर से मध्यम वर्ग के परिवारों का बजट बिगड़ गया है। जिन घरों में किसी प्रकार का एसी या गीजर नहीं है उनके बिल भी 4 से 5 हजार रूपये तक आ रहे है। झुग्गी बस्तियों में भी 2 हजार का बिजली बिल आम बात हो गया है। बाहेती ने कहा कि अभी स्मार्ट मीटर सिर्फ शहरी क्षेत्र में लगे हैं अब विद्युत् कम्पनी ग्रामीण क्षेत्र में स्मार्ट मीटर लगाने की तैयारी कर रही है जिससे ग्रामीण क्षेत्र में भी असंतोष बढ़ेगा।

बाहेती ने आरोप लगाया की स्मार्ट मीटर लगाने का मुख्य उद्देश्य विद्युत उपभोक्ताओं को मिलने सब्सिडी को खत्म करना है। उन्होंने बताया कि पहले उपभोक्ताओं को विद्युत बिल मिलते हैं, जिनका भुगतान वह एमपीईबी के काउंटर पर जाकर कर देते थे, पर आनलाईन बिल भुगतान करने की व्यवस्था के नाम बिजली कंपनी ने उपभोक्ताओं को बिल देना ही बंद कर दिया है। अगर किसी उपभोक्ताओं को बिल देखना है, तो वह बिजली कंपनी की साईड पर जाए, वहां से बिल डाउनलोड करें और देखे कि उसके घर पर कितनी बिजली की खपत हुई है, जिसमें सिर्फ रिडिंग, सरचार्ज, मीटर चार्ज, अनुदान की जानकारी के साथ यह लिखा रहता है कि कितना बिजली का बिल है और कब जमा करने की अंतिम तारिख है, लेकिन आनलाईन डाउनलोड करने वाले बिजली बिल में कहीं भी यह नहीं लिखा रहता है कि बिजली कंपनी पर यूनिट बिजली की राशि कितनी वसूल रही है और कितने यूनिट तक सब्सिडी है और कितने यूनिट के बाद प्रति यूनिट इतना भुगतान करना होगा, जबकि पूर्व में घर-घर वितरित होने वाले बिजली बिल में यह उल्लेख रहता था।

स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं की जेब खाली करने की योजना-

श्री बाहेती ने आरोप लगाया कि ऐसा लगाता है कि स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं की जेब खाली करने की योजना अंतर्गत लगाए जा रहे हैं। स्थिति यह है कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद किसी उपभोक्ता के 3 गुना तो किसी को 4 गुना अधिक खपत के आनलाईन बिल भेजे गए है। अधिक बिल आने पर उपभोक्ता एमपीईबी कार्यालय पहुंच रहे हैं, तो उन्हें अधिकारी उचित जवाब नहीं दे पा रहे हैं और बिल की कॉपी माँगने पर प्रिंटर के कागज खत्म होने का बहाना बनाकर बिजली कंपनी की साइड से बिल डाउनलोड कर के भी नहीं दिए जा रहे हैं, जिसके मामले लगातार सामने आ रहे हैं।

बिल जमा नहीं होने पर दूसरे दिन काट देते हैं कनेक्शन-

जिला पंचायत सदस्य तरूण बाहेती ने आरोप लगाए कि स्मार्ट लगने के बाद हालात ये हो चुके हैं कि अगर 5 हजार से अधिक के बिल वाले उपभोक्ता अंतिम तारिख निकलने के दूसरे दिन तक बिजली बिल जमा नहीं कर पाते हैं, तो सीधे इंदौर से बिजली बंद कर दी जाती है, वह भी शाम के समय। ऐसे में उपभोक्ता और उसके परिवार को पूरी रात अंधेरे में निकालना पड़ती है और सुबह बिल जमा करने बिजली चालू होती है। श्री बाहेती ने कहा कि पूर्व में अगर किसी उपभोक्ता के अधिक बिजली बिल आता था, तो बिजली कंपनी उपभोक्ता को 2-3 किश्त में बकाया बिल जमा कराने की सुविधा देती थी, लेकिन अब अधिक बिल आने पर किश्त करने की सुविधा बंद कर दी गई है। अगर किसी गरीब उपभोक्ता के 10 हजार का बिल आ गया है, तो उसे एक मुश्त जमा कराना है, अन्यथा बिजली कट जाती है।

एक परिसर में नहीं दे रहे हैं पृथक-पृथक कनेक्शन-

श्री बाहेती ने कहा कि मप्र शासन ऊर्जा विभाग के स्पष्ट आदेश है कि विद्युत वितरण कंपनी जबलपुर, भोपाल, इंदौर के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में एक ही परिसर में निवासरत परिवारों को पृथक-पृथक बिजली कनेक्शन दें, पश्चिम क्षेत्र बिजली कंपनी इंदौर के अंतर्गत आने वाले नीमच जिले में बिजली कंपनी के अधिकारी आदेश का पालन नहीं कर रहे हैं, जबकि आदेश विशेष कर्तव्य अधिकारी मप्र शासन ऊर्जा विभाग व्हीके गौड़ की ओर से 3 जून 2024 को जारी किया गया है। श्री बाहेती ने कहा कि भाजपा के शासन में बिजली उपभोक्ताओं के साथ स्मार्ट मीटर लगाने के बाद वसूली शुरू हो चुकी है।

तूफानी गति से मीटर चेंज पर ट्रांसफार्मर एक माह तक नहीं -बाहेती

-सरकारी एक तरफ लाडली बहन की राशि देने का ढिंढोरा पीट रही है वहीं अधिक बिल देकर जनता की दूसरी जेब से लाडली बहनों का पैसा वापस वसूल रही है। विद्युत कंपनी पैसा वसूलने के लिए तूफानी गति से शहर में स्मार्ट मीटर बदल रही है लेकिन आम जनता एवं किसानों को सिंचाई के लिए ट्रांसफार्मर एक एक महीने तक नहीं देती। बाहेती ने कहा की स्मार्ट मीटर से जनता में जबरदस्त जन आक्रोश फैल रहा है। बाहेती ने कहा की स्मार्ट मीटर की सच्चाई जानने एवं बेवजह अधिक बिजली बिलों के विरोध में शीघ्र कांग्रेस आम जनता के साथ सड़क पर उतरेगी।

राजस्व अभियान 2.0 को सफल बनाने में लगे सीएससी वीएलई

मक्सी मक्सी समीपस्थ झोंकर मे राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण और राजस्व अभिलेखों की त्रुटियों को ठीक करने हेतु राजस्व महा-अभियान 2.0 का आयोजन दिनांक 16.07.2024 से दिनांक 31.08. 2024 तक किया जा रहा है। जिसके तहत जिले की बड़ी ग्राम पंचायतों में समग्र E-KYC एवं आधार पंजीयन हेतु शिविर आयोजित किये जा रहै, जिसमें चयनित प्रत्येक ग्राम पंचायत में 03 दिवसीय शिविर आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रथम दिवस को ग्राम रोजगार सहायक एवं सीएससी वीएलई के माध्यम से समग्र E-KYC का कार्य किया जाएगा एवं ऐसे नागरिक जिनके आधार में मोबाईल नंबर या अन्य तकनीकी समस्या के कारण E-KYC का कार्य पूर्ण नहीं होगा, उन्हे चिन्हित किया जाकर उनके लिए केवाईसी करना सुनिश्चित किया जायेगा ।इसी

के अंतर्गत आज ग्राम झोंकर में किसानो के खसरे को समग्र के साथ जोड़ने और केवाईसी का कार्य किया गया जिसमे ग्राम में मुनादी करवाई की गई । एवं किसानो को कैंप का लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित भी किया और चङ्बृष्ट के लाभ भी बताए गए । ग्रामीणों ने भी केवाईसी को लेकर काफी उत्साह देखा गया । इस अवसर पर ग्राम पटवारी महेश चौहान, सचिव जितेंद्र सक्सेना, कॉमन सर्विस संचालक इलियास , रोजगार सहायक संजय बागवान, महिला बालविकास और ग्राम कोटवार सहित बड़ी संख्या में ग्राम के वरिष्ठ नागरिकों ने लोगो को कैंप में केवाईसी के लिए प्रेरित किया ।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा छात्रावासों में किया जा रहा है बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं सिकल सेल एनीमिया की जांच

बुरहानपुर- कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल के निर्देशानुसार जिले के छात्रावासों में स्वास्थ्य विभाग द्वारा बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है। टीम निर्धारित कार्ययोजना के तहत बारी-बारी से छात्रावासों में पहुँचकर छात्र-छात्राओं के स्वास्थ्य की जांच कर रही है।इसी श्रृंखला में कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास खकनार, शासकीय अनुसूचित जाति सीनियर बालक छात्रावास शाहपुर, नेताजी सुभाष चंद्र बोस बालक छात्रावास, आदिवासी बालक आश्रम उसारनी, जूनियर अनुसूचित जाति कन्या छात्रावास ईच्छापुर, विमुक्त जाति कन्या छात्रावास शिकारपुरा, सीनियर आदिवासी बालक छात्रावास शिकारपुरा इत्यादि छात्रावासों में स्वास्थ्य विभाग की आरबीएसके टीम द्वारा बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण करते हुए सिकल सेल एनीमिया की जांच भी की गई।

युवाओं के लिए अग्निवीर से अच्छा विकल्प नहीं, फैलाई है गलत भ्रांतियां

फ़ौज की 25 साल की नोकरी पूरी कर लौटे सत्येंद्र मिश्रा ने कहा

रेल्वे स्टेशन पर महापौर माधुरी पटेल, निगमाध्यक्ष अनिता अमर यादव, अजय रघुवंशी ने किया स्वागत

बुरहानपुर। मेरे 25 साल की फ़ौज की नोकरी में कई चुनोतियाँ आई, लेकिन हमने डटकर मुकाबला किया। वहीं बॉर्डर पर भी देशभक्ति और मुस्तेदी के साथ जिम्मेदारी निभाई है। अग्निवीर को लेकर भ्रांतियां फैलाई गई है, जबकि ये सबसे अच्छी योजना है।

यह कहना है हैदराबाद से फ़ौज की 25 साल की नोकरी पूरी करके लौटे सत्येंद्र मिश्रा का। उन्होंने कहा युवाओं को आगे आकर इसका लाभ लेना चाहिए। कान्यकुब्ज ब्राम्हण समाज ने स्टेशन पर भव्य स्वागत कर शहर के विभिन्न मार्गों से खुली जीप में रैली निकाली। यहाँ सभी ने राष्ट्रगान किया।

महापौर बोली, बुरहानपुर का सपूत लौटा है

गुरुवार सुबह 8 बजे रेल्वे स्टेशन पर महापौर माधुरी पटेल, निगमाध्यक्ष अनिता यादव, कांग्रेस नेता अजय रघुवंशी, गौरी शर्मा, भाजपा मंडल अध्यक्ष रुद्रेश्वर एंडोले, पार्षद गौरव शुक्ला मौजूद थे। महापौर पटेल ने बोला बॉर्डर पर देशसेवा करके शहर का सपूत लौटा है, ये हमारे लिए गर्व की बात है। निगमाध्यक्ष अनिता यादव बोली हमें गर्व है बेटे सतेन्द्र पर, जिसने जिम्मेदारी के साथ अपना मातृभूमि के प्रति कर्तव्य निभाया।

सीएम का आदेश सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोठी में बेअसर

एक डॉक्टर के भरोसे चल रहा है कोठी का अस्पताल

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ
सतना, जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोठी के हाल बेहाल, यहां सीएम का आदेश बेअसर नजर आ रहा है, एक डॉक्टर के भरोसे चल रहा कोठी का अस्पताल चल रहा है, जबकि प्रदेश के मुखिया डॉ. मोहन यादव ने सभी कर्मचारियों को नियमित समय पर पहुंचने का आदेश दिया हुआ है, लेकिन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोठी में डॉ. मयंक तिवारी के अलावा कोई भी डॉक्टर ओपीडी में मौजूद नहीं है, आलम यह है कि जहां ग्रामीण अंचलों में मरीज दूर-दूर से आते हैं वहीं ओपीडी में डॉक्टर के न मिलने से मरीजों को अच्छी खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, सीएम के आदेशों के

खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी भी ऐसे लापरवाह डॉक्टरों पर कड़ी कार्रवाई करने से परहेज कर रहे हैं, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोठी में ज्यादातर कर्मचारी नियमित समय से नहीं पहुंचते हैं और यही वजह है कि इसका खामियांजा मरीजों को भुगतना पड़ता है।

कटनी के एनकेजे थाना क्षेत्र में दर्दनाक हादसा

टायर फटने से बेकाबू बस ने चार युवकों की जान ली, बस चालक फरार

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, कटनी के एनकेजे थाना क्षेत्र के अंतर्गत सुर्खी टैंक के समीप बस का टायर फटने बस ने सामने से आ रही कार से जा टकराई और आमने सामने हुई जोरदार टक्कर की वजह से कार में सवार 4 लोगो की मौत हो चुकी है। जिसमे से दो लोगो की घटना स्थल पर ही मौत हो चुकी थी वही दो लोग जिला अस्पताल में इलाज के दौरान।

यह हादसा जब हुआ जब एक कार में 4 युवक सुर्खी टैंक से लगे नेशनल हाइवे से शहडोल रोड की तरफ जा रहे थे तभी सामने से आ रही एक बस का टायर फटने की वजह से वह आनियत्रित हो सामने से आ रही कार को घसीटते हुए सड़क कें किनारे सड़क पर कार को कुचल दिया जिसमे सवार चार युवक भूरी तरह दब गए और जिसकी सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची एन के जे थाने की पुलिस बल पहुंच गई और सभी को कार से बाहर

निकला जिसमे से दो युवकों की मौत हो गई और दो लोगो को एबुलेश की सहायता से जिला अस्पताल भेजा जहा डॉक्टरों ने दोनो को मृत घोषित कर दिया। इस हादसे में चार युवकों की मौत हो गई जिनका नाम प्रियशू

दुबे,अतुल मिश्रा,शिवांशु दुबे और तीनो जुहिला ग्राम निवासी है और चौथा अक्षय सिंह है। वही हादसे के तुरंत बाद बस ड्राइवर मौके से फरार हो गया है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

काली नदी के कायाकल्प हेतु बनाई जाए कार्ययोजना, एनजीटी के निर्देशों का हो अक्षरश: पालन - डीएम मनीष बंसल

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई जिला गंगा समिति की बैठक आयोजित

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर। जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला गंगा समिति की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में डीएम मनीष बंसल ने काली नदी के कायाकल्प हेतु सीडीओ की अध्यक्षता में समिति गठित कर उसमें सभी एसडीएम एवं बीडीओ को शामिल कर कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि गंगा व सहायक नदियों में आगामी त्यौहारों के दृष्टिगत किसी भी प्रकार का प्लास्टिक व पूजा सामग्री न डाली जाए। इसके लिए उन्होंने नगर निगम के अधिकारी को घाटों एवं प्रमुख पुलों के किनारों पर पूजा सामग्री विसर्जन कलश बनाए जाने के निर्देश दिए। डीपीआरओ को परमार्थ निकेतन ऋषिकेश उत्तराखण्ड में गंगा आरती हेतु 05 सदस्यों को नामित कर उन्हे समय से प्रशिक्षण दिलाने के निर्देश दिए। जनपद में घाट निर्माण संबंधी कार्यवाही को शीघ्रता से पूर्ण किया जाए। डीएम मनीष

बंसल ने कहा कि प्रदूषण फैलाने वालों के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाएं। उन्होंने पांवधोई नदी को प्रदूषण से मुक्त कराने के लिए उसमें गिरने वाले नालों और नालियों को चिन्हित करते हुए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। सभी विभागों को जिला गंगा प्लान के संबंध में निर्देश दिए कि सभी विभाग अपने विभाग से संबंधित किये जाने वाले कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत करें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, डीएफओ श्वेता सैन, जिला पंचायत राज अधिकारी आलोक कुमार सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

प्रदेश में सभी 3600 शराब दुकानों की होगी जियो टैगिंग

गूगल मैप पर मिलेगी लोकेशन

आबकारी विभाग द्वारा प्रदेश में संचालित हो रहीं 3600 शराब दुकानों की जियो टैगिंग कराई जाएगी। इससे इन सभी दुकानों की लोकेशन गूगल पर आसानी से मिल सकेगी।इसके लिए संभागीय स्तर पर आबकारी विभाग के अधिकारी और कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया है। अब ये अधिकारी और कर्मचारी फील्ड में जाकर शराब दुकानों की जियो टैगिंग कर रहे हैं। इससे आबकारी विभाग और लाइसेंसी ठेकेदारों को भी फायदा होगा।

भोपाल जिले में 87 दुकानों की हुई टैगिंग- इस प्रक्रिया की शुरुआत आबकारी अमले ने भोपाल जिले की सभी 87 शराब दुकानों से कर दी है। इस कार्य के लिए जिला सहायक आबकारी अधिकारी और अन्य अमले को जियो टैगिंग का प्रशिक्षण तक दिया जा रहा है। प्रदेश की सभी तीन हजार 600 दुकानों की जियो टैगिंग किए जाने से इनके आवंटन में किसी तरह का कोई फर्जीवाड़ा नहीं किया जा सकेगा। दरअसल, अब तक शराब दुकान आवंटन के बाद लोकेशन को लेकर बड़ा खेल चलता आ रहा था। शराब दुकानदार, आबकारी अधिकारियों के साथ साठगांठ कर लोकेशन की

रिपोर्ट गलत दे देते थे।

नियमों का नहीं हो रहा पालन- इससे मंदिरों और स्कूलों से शराब की दुकानों को दूर रखने के नियम और कानून की धज्जियां उड़ाई जा रही थी। इसका खामियाजा धार्मिक स्थलों पर आने वाले धर्मावलंबियों और स्कूली छात्रों को भुगतना पड़ता था।

संदिग्ध गतिविधियों पर लगेगा अंकुश- विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जियो टैगिंग से दो दुकानों के बीच की दूरी सहजता से पता चल जाएगी। परमिट के दौरान शराब की आवाजाही भी विभागीय अधिकारी आसानी से देख सकेंगे। अभी इतनी सख्ती के बावजूद कई लाइसेंसी ठेकेदार इसमें गड़बड़ी करने का प्रयास करते हैं, इससे उनकी संदिग्ध गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लग सकेगा। इसके अलावा आबकारी अफसरों पर यह आरोप भी लगते रहे हैं कि शराब दुकानें धार्मिक स्थल और शैक्षणिक संस्थाओं के पास खोल दी गई है। उनका कहना है कि जियो टैगिंग के माध्यम से आसपास की लोकेशन को देखा जाएगा।

सहारनपुर में डीएम एवं एसएसपी ने कांवडियों पर हेलीकॉप्टर से की पुष्प वर्षा, शिव भक्तों का किया अभिवादन

हेलीकॉप्टर के माध्यम से कांवड़ मार्ग पर व्यवस्थाओं का जाएजा भी लिया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के क्रम में जिलाधिकारी सहारनपुर मनीष बंसल एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रोहित सिंह सजवान ने शिवभक्त कांवडियों पर हेलीकॉप्टर द्वारा गागलहेडी से घंटाघर तक कांवड़ मार्ग पर पुष्प वर्षा की। इसी दौरान उन्होंने हेलीकॉप्टर से कांवड़ मार्ग पर व्यवस्थाओं का भी जाएजा लिया। डीएम मनीष बंसल एवं एसएसपी रोहित सजवान ने साथ ही निर्देश भी दिये कि जनपद के सभी शिवालयों में साफ-सफाई के साथ ही सुरक्षा के भी पुख्ता इंतेजाम रखे जाएं ताकि जल चढाते वक्त किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो। इस अवसर पर अलग-अलग राज्यों को जा रहे शिवभक्तों का अभिवादन कर उनकी पवित्र कांवड यात्रा के

सकुशल सम्पन्न होने की कामना की। ज्ञातव्य है कि जिला प्रशासन कांवड यात्रा शुरू होने के पहले दिन से ही शिवभक्त कांवडियों की सुरक्षा के साथ ही उन्हें हर प्रकार की आवश्यक सुविधा उपलब्ध कराने के लिए मुस्तैद रहा। जिलाधिकारी मनीष बंसल द्वारा स्वयं प्रतिदिन कांवड मार्गों एवं शिविरों का निरीक्षण भी किया गया। इसी का परिणाम है कि विभिन्न राज्यों से आने एवं जाने वाले शिवभक्तों ने शासन एवं प्रशासन द्वारा की गयी व्यवस्था की सराहना की।

बच्ची ने स्कूल जाने के लिए बैग उठाया, तो उसके पीछे दिखा अजगर... जान बचाकर भागी

धार। मध्य प्रदेश के धार जिले के निसरपुर में एक घर के अंदर अजगर घुसने की घटना सामने आई है। मामला सरदार सरोवर बांध के बैक वाटर के करीब बनी इंदिरा कॉलोनी में शुक्रवार सुबह का है। घर में बच्ची ने जब स्कूल जाने के लिए अपना बैग उठाया, तो अजगर उसके पीठे बैठा दिखा। अजगर को देख वह घबरा गई और चिल्लाते हुए घर के बाहर भागी। जानकारी के मुताबिक इंदिरा कॉलोनी में रहने वाली सातवीं की छात्रा वैष्णवी प्रजापत ने स्कूल जाने के लिए जैसे ही अपना बैग उठाया, तो उसके पीछे अजगर बैठा दिखा। यह देखकर वह बुरी तरह से डर गई और चिल्लाते हुए घर से बाहर की ओर दौड़ी। बच्ची से जब उसके पिता राजेंद्र प्रजापत ने चिल्लाने की वजह पूछी, तो उसने बताया कि घर के अंदर अजगर है। जो उसके स्कूल बैग के पीछे बैठा हुआ था। बच्ची की बात सुनकर परिजन अंदर गए, तो अजगर को देख वे भी घबरा गए। इसके बाद उन्होंने वन विभाग और सांप पकड़ने वाले कपिल

गोस्वामी इसकी सूचना दी। कपिल ने अजगर को रेस्क्यू कर वन विभाग के हवाले कर दिया। अजगर को रेस्क्यू करने वाले कपिल गोस्वामी ने बताया कि उन्हें मोबाइल पर सूचना मिली थी कि इंदिरा कॉलोनी में एक घर के अंदर अजगर घुस आया है। जब वे मौके पर पहुंचे, तो पता चला कि अजगर स्कूल बैग के पास छिपकर बैठा था। इसके बाद उसे रेस्क्यू कर वन विभाग को सौंप दिया गया है। अजगर 5 फीट लंबा और 5 से 6 किलो वजन का था। कपिल गोस्वामी के अनुसार बारिश में बैक वाटर का क्षेत्र भरने से उसमें रहने वाले जीव आस-पास चले जाते हैं। ऐसे में इंदिरा नगर के इसके करीब होने से ये अजगर यहां आ गया। उन्होंने कहा कि रहवासियों को सावधानी से रहने की जरूरत है। आशंका जताई जा रही है कि अजगर देर रात घर में घुसा होगा और सुरक्षित स्थान ढूंढते हुए स्कूल बैग के पीछे जाकर छिप गया।

टक्कर के बाद तीन वाहनों में लगी भीषण आग... धार के गणपति घाट पर हादसा, तीन लोग घायल

धार। राऊ- खलघाट फोरलेन के गणपति घाट पर रात करीब 1ः00 बजे भीषण सड़क हादसा हो गया। यहां टक?कर के बाद तीन वाहनों में आग लग गई। इस दुर्घटना में तीन लोग घायल हुए हैं। मौत का पर्याय बन चुके गणपति घाट पर हादसे नहीं थम रहे हैं। इस घाट पर अलग-अलग हादसों में अब तक 400 से अधिक लोगों की मौते हो चुकी है। इस घाट पर दुर्घटना के बाद कई वाहनों में भीषण आग लग चुकी है, जिससे 15 से अधिक लोगों की जिंदा जलकर मौतें हो चुकी हैं। इसी गणपति घाट पर देर रात ब्रेक फेल होने के बाद ट्रॉला घाट उतरने के दौरान अनियंत्रित होकर आगे चल रही कार को टक्कर मारते हुए एक अन?य वाहन में पीछे से जा घुसा। हादसे के बाद वाहनों में भीषण आग लग गई। रात को ही पुलिस और फायर ब्रिगेड ने तत्काल मौके पर पहुंचकर , करीब 3 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया । इसके बाद सुबह 6ः00 बजे वाहनों में फिर आग लग गई । देखते ही देखते तीनों वाहनों ने आग पकड़ ली। कुछ देर बाद आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। इससे घाट पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। सुबह करीब 8ः00 बजे तक आग पर काबू पाने का प्रयास चलता रहा। इस दुर्घटना में कार सवार प्रतीक सोनी निवासी धरमपुरी, अंकुश जैन निवासी धरमपुरी और महेंद्र पिता कमलेश निवासी जयपुर राजस्थान घटना में घायल हुए। इन्हें तत्काल एंबुलेंस की मदद से धामनोद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां पर प्राथमिक उपचार किया गया। घटना की जानकारी लगते ही काकड़दा पुलिस प्रभारी मिथुन चौहान के साथ धामनोद का पुलिस बल तुरंत मौके पर पहुंचा। इसके बाद आवागमन को सुचारू किया जा रहा है।

कोटा के अंदर कोटाः एससी-एसटी के अंदर सब कैटेगरी बनाने का सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों को दिया अधिकार

आरक्षण केवल पहली पीढ़ी को मिले

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कोटा के अंदर कोटा केस में बड़ा फैसला सुनाया। अनुसूचित जाति को मिलने वाले 15 फीसदी आरक्षण में भी सब-कोटे को सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को मंजूरी दी। अदालत ने 6-1 के बहुमत से फैसला देते हुए कहा कि राज्यों को एससी आरक्षण में भी जातीय आधार पर उसके वर्गीकरण का आधार है। यह आरक्षण उन जातियों के लिए अलग से वर्गीकृत किया जा सकता है, जो पिछड़ी रह गई हों और उनसे ज्यादा भेदभाव किया जा रहा हो। यही नहीं सुनवाई के दौरान जस्टिस पंकज मिथल ने कहा कि किसी भी कैटिगरी में पहली पीढ़ी को ही आरक्षण मिलना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि एससी और एसटी में आरक्षण का वर्गीकरण करना उचित विचार है। जस्टिस पंकज मिथल ने कहा कि इस बात की समीक्षा होनी चाहिए कि आरक्षण मिलने के बाद दूसरी पीढ़ी सामान्य वर्ग के स्तर पर आ गई है या नहीं। यदि ऐसी स्थिति आ जाए तो फिर एक पीढ़ी के बाद आरक्षण नहीं मिलना चाहिए। इस अहम केस की सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि अनुसूचित जाति वर्ग में समरूपता नहीं है। इसमें भी विभिन्नताएं हैं। हालांकि 7 जजों की बेंच में अकेले जस्टिस बेला एम. त्रिवेदी की राय अलग थी। उनका कहना था कि अनुसूचित जाति वर्ग को जाति नहीं बल्कि क्लास के आधार पर आरक्षण मिलता है।

दूसरी पीढ़ी को नहीं मिलना चाहिए आरक्षण का लाभ

जस्टिस मिथल ने कहा कि आरक्षण किसी भी वर्ग में पहली पीढ़ी को ही मिलना चाहिए। इसके बाद दूसरी पीढ़ी को यह लाभ नहीं मिलना चाहिए। चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा कि सिस्टम में भेदभाव के चलते एससी और एसटी वर्ग ऊंचाई हासिल नहीं कर सका। लेकिन संविधान का आर्टिकल 14 उप-वर्गीकरण की अनुमति देता है। उन्होंने कहा, ऐतिहासिक तथ्य बताते हैं कि उपेक्षित वर्ग में भी विभिन्नताएं रही हैं और उन्हें अलग-अलग सामाजिक परिस्थितियों में रहना पड़ा है। यदि मध्यप्रदेश की बात करें तो वहां 25 जातियों में से 9 ही एससी में हैं। हमने यह भी देखा है कि इस वर्ग में भी समरूपता नहीं है। चीफ जस्टिस ने कहा कि यदि कोई समाज उपेक्षित है तो फिर उसके प्रतिनिधित्व को नकारा नहीं जा सकता।

असली उद्देश्य तो समानता ही होना चाहिए

इस केस में जस्टिस बीआर गवई ने बीआर आंबेडकर का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि आंबेडकर कहते थे कि हमें एक सामाजिक लोकतंत्र बनना है। राजनीतिक लोकतंत्र की जरूरत इतनी नहीं है। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति में भी हर वर्ग को अलग-अलग तरह के भेदभाव का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि यह कहा जा सकता है कि कोई पार्टी सब-कोटा का इस्तेमाल राजनीतिक लाभ के लिए करेगी, लेकिन मैं सहमत नहीं हूं। असली उद्देश्य तो समानता ही होना चाहिए। बस इस फैसले के लिए उचित अध्ययन जरूर किया जाए।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने ही फैसले को पलटा

शीर्ष अदालत 'ईवी चिन्नैया बनाम आंध्रप्रदेश राज्य' मामले में 2004 के पांच-जजों की संविधान पीठ के फैसले पर फिर से विचार करने के संदर्भ में सुनवाई कर रही थी। इसमें यह कहा गया था कि एससी और एसटी सजातीय समूह हैं। फैसले के मुताबिक, इसलिए, राज्य इन समूहों में अधिक वंचित और कमजोर जातियों को कोटा के अंदर कोटा देने के लिए एससी और एसटी के अंदर वर्गीकरण पर आगे नहीं बढ़ सकते हैं। शीर्ष अदालत ने 2004 में फैसला सुनाया था कि सदियों से बहिष्कार, भेदभाव और अपमान झेलने वाले एससी समुदाय सजातीय वर्ग का प्रतिनिधित्व करते हैं। इनका उप-वर्गीकरण नहीं किया जा सकता। अब सुप्रीम ने इस फैसले को पलट दिया है। पीठ 23 याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। इनमें से मुख्य याचिका पंजाब सरकार ने दायर की थी। याचिका में पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के 2010 के फैसले को चुनौती दी गई थी।

फैसले में ये हैं 'सुप्रीम' बातें

-एससी-एसटी के बीच क्रीमी लेयर की पहचान एक संवैधानिक अनिवार्यता बननी चाहिए

-राज्यों को एससी, एसटी में क्रीमी लेयर की पहचान करनी चाहिए और उन्हें आरक्षण के दायरे से बाहर करना चाहिए

-जब तक सामाजिक लोकतंत्र नहीं होगा, तब तक राजनीतिक लोकतंत्र का कोई फायदा नहीं

-आरक्षण उन जातियों के लिए अलग से वर्गीकृत किया जा सकता है, जो पिछड़ी रह गई हों

-अनुसूचित जाति के भीतर किसी एक जाति को 100त्न कोटा नहीं दे सकते

-किसी जाति का कोटा तय करने से पहले उसकी हिस्सेदारी का पुख्ता डेटा होना चाहिए।

राज्यों को एससी, एसटी में क्रीमी लेयर की पहचान करना चाहिए

न्यायमूर्ति बीआर गवई ने कहा कि राज्यों को एससी, एसटी में क्रीमी लेयर की पहचान करनी चाहिए और उन्हें आरक्षण के दायरे से बाहर करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जातियों में से कुछ को होने वाली कठिनाइयों और पिछड़ेपन का सामना प्रत्येक जाति द्वारा अलग-अलग तरीके से किया जाता है। ईवी चिन्नैया का फैसला गलत है। यह तर्क दिया गया कि कोई पार्टी राजनीतिक लाभ प्राप्त करने के लिए किसी उप जाति को आरक्षण दे सकती है, लेकिन मैं इससे सहमत नहीं हूं। अंतिम उद्देश्य वास्तविक समानता का एहसास करना होगा। जैसा कि न्यायिक घोषणाओं में माना गया है।, इसे अनुभवजन्य डेटा द्वारा समर्थित होना चाहिए। जब कोई व्यक्ति किसी डिब्बे में चढ़ता है, तो वह दूसरों को उस डिब्बे में चढ़ने से रोकने के लिए हर संभव कोशिश करता है। केवल सामाजिक न्याय के कारण उन्हें लाभ मिला है, लेकिन जब राज्य उन लोगों को लाभ देने का फैसला करता है जिनका पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं है, तो इससे इनकार नहीं किया जा सकता है। मैंने 1949 में डॉ. अंबेडकर के भाषण का उल्लेख किया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि जब तक हमारे पास सामाजिक लोकतंत्र नहीं होगा, तब तक राजनीतिक लोकतंत्र का कोई फायदा नहीं है। वहीं जस्टिस एससी मिश्रा ने कहा कि एससी-एसटी के बीच क्रीमी लेयर की पहचान एक संवैधानिक अनिवार्यता बननी चाहिए।

राज्य सरकारें मनमर्जी से फैसला नहीं कर सकतीं

कोर्ट ने अपने नए फैसले में राज्यों के लिए जरूरी हिदायत भी दी है। कहा है कि राज्य सरकारें मनमर्जी से फैसला नहीं कर सकतीं। इसके लिए दो शर्तें होंगी-

पहली- अनुसूचित जाति के भीतर किसी एक जाति को 100त्न कोटा नहीं दे सकतीं।

दूसरी- अनुसूचित जाति में शामिल किसी जाति का कोटा तय करने से पहले उसकी हिस्सेदारी का पुख्ता डेटा होना चाहिए। राज्य सरकारें अब राज्यों में अनुसूचित जातियों में शामिल अन्य जातियों को भी कोटे में कोटा दे सकेंगी। यानी अनुसूचित जातियों की जो जातियां वंचित रह गई हैं, उनके लिए कोटा बनाकर उन्हें आरक्षण दिया जा सकेगा। मसलन- 2006 में पंजाब ने अनुसूचित जातियों के लिए निर्धारित कोटे के भीतर वाल्मीकि और मजहबी सिखों को सार्वजनिक नौकरियों में 50त्न कोटा और पहली वरीयता दी थी।

नीट पेपर लीक मामले में चार्जशीट दायर, आरोप पत्र में 13 के नाम

नई दिल्ली। मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट में गड़बड़ी और पेपर लीक को लेकर देशभर में चर्चाएं जारी हैं। इस बीच, इस मामले की जांच कर रही सीबीआइ ने पहला आरोप पत्र (चार्जशीट) दायर कर दिया है। सीबीआई की चार्जशीट में 13 लोगों को आरोपी बनाया गया है। इनके नाम नीतिश कुमार, अमित आनंद, सिकंदर यदुवेंदु , आशुतोष कुमार -1, रोशन कुमार, मनीष प्रकाश, आशुतोष कुमार-2, अखिलेश कुमार, अवधेश कुमार, अनुराग यादव, अभिषेक कुमार, शिवनंदन कुमार और आयुष राज का नाम दर्ज है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने नीट परीक्षा में गड़बड़ी के मामले में अब तक कुल 40 आरोपियोंं को गिरफ्तार किया है।

इसमें बिहार पुलिस द्वारा की गईं 15 गिरफ्तारियां भी शामिल हैं। सीबीआई का कहना है कि

देशभर में 58 जगहों में छापेमारी के बाद 40 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोप पत्र में सीबीआई ने बताया है कि सभी आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 120-बी, 201, 409, 380, 411, 420 और 109 के तहत मामले दर्ज किए गए हैं। केंद्रीय एजेंसी ने आगे बताया कि आरोपियों के खिलाफ सबूत जमा करने के लिए अत्याधुनिक फॉरेंसिक तकनीक, कृत्रिम मेधा तकनीक (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस), सीसीटीवी फुटेज और अन्य का इस्तेमाल किया गया। सीबीआई का कहना है कि इस मामले में अभी जांच जारी है।

पूर्व ट्रेनी आईएएस पूजा खेडकर की अग्रिम जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली। आईएएस पूजा खेडकर को दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट से गुरुवार को बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने उन्हें अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया। बता दें कि उनके खिलाफ यूपीएससी की शिकायत पर दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एफआईआर दर्ज की थी। उनका चयन रद्द करने के लिए उन्हें कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया था। उन्हें भविष्य की परीक्षाओं से भी रोक दिया गया है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश देवेन्द्र कुमार जंगाला ने कहा कि दिल्ली पुलिस को इस बात की भी जांच करनी चाहिए कि क्या यूपीएससी के अंदर से किसी ने खेडकर की मदद की थी। न्यायाधीश ने मामले में जांच का दायरा बढ़ाते हुए दिल्ली पुलिस को यह जांच करने का निर्देश भी दिया कि क्या अन्य किसी ने भी बिना पात्रता के ओबीसी और दिव्यांग कोटे के तहत लाभ उठाया है। यूपीएससी द्वारा दिए गए एक सार्वजनिक बयान के अनुसार खेडकर के दुराचार की विस्तृत और गहन जांच से पता चला कि उन्होंने अपना नाम बदलकर अपनी पहचान को गलत तरीके से पेश करके परीक्षा नियमों के तहत अनुमेय सीमा से परे धोखाधड़ी से प्रयास किए। बयान में यह भी कहा गया है कि खेडकर ने अपने पिता और माता के नाम के साथ-साथ अपनी तस्वीर, हस्ताक्षर, ईमेल पता, मोबाइल नंबर और पता भी बदल दिया।

आईएएस-कोचिंग के सामने से कार निकालने वाले शख्स को जमानत

नई दिल्ली। दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर कोचिंग हादसे में जिम्मेदार माने जा रहे एसयूवी चालक को कोर्ट ने जमानत दे दी है। इससे पहले मजिस्ट्रेट कोर्ट ने एसयूवी ड्राइवर मनुज कथूरिया को मस्तीखोर कहते हुए जमानत देने से इनकार कर दिया था। अब दिल्ली सेशन कोर्ट ने मनुज को राहत देते हुए जमानत दे दी है। बता दें कि इस हादसे में तीन यूपीएससी स्टूडेंट की मौत हो गई थी। इस हादसे के बाद एक वीडियो सामने आया था। वीडियो में एक एसयूवी कोचिंग के सामने से गुजर रही थी, जिस वजह से उठी लहर ने कोचिंग का गेट तोड़ दिया। गेट टूटने के बाद अचानक भारी मात्रा में पानी बेसमेंट में चला गया। बेसमेंट में कोचिंग की लाइब्रेरी चलती थी। घटना के समय कई छात्र बेसमेंट में मौजूद थे। पानी भरने की वजह से तीन स्टूडेंट की मौत हो गई थी। इस घटना के बाद पुलिस ने एक्शन लेते हुए कोचिंग संचालकों समेत एसयूवी ड्राइवर को भी गिरफ्तार कर लिया था। अब उसे जमानत दे दी गई है। इस घटना के बाद एसयूवी चालक मनुज कथूरिया को गिरफ्तार कर लिया गया था। गिरफ्तारी के बाद मनुज ने जमानत के लिए मजिस्ट्रेट कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। यहां कोर्ट ने मनुज को जमानत देने से इनकार कर दिया था। कोर्ट में जज ने टिप्पणी करते हुए एसयूवी ड्राइवर को मस्तीखोर बताया था। वहीं अब दिल्ली की राव कोचिंग ने मृतक स्टूडेंट्स के परिजनों को 50 लाख रुपए देने का ऐलान किया है।

अमेरिकी एवैन गेरशकोविच और पॉल व्हेलन हुए रिहा

अमेरिका और रूस ने की बड़े कैदियों की अदला-बदली

वॉशिंगटन: अमेरिका और रूस के बीच बड़ी संख्या में कैदी आदान-प्रदान की प्रक्रिया चल रही है। इस अदला-बदली में वॉल स्ट्रीट जर्नल के पत्रकार एवैन गेरशकोविच और पूर्व अमेरिकी मरीन पॉल व्हेलन समेत कई अमेरिकी शामिल हैं। एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के अनुसार, दोनों पक्षों ने कैदी आदान-प्रदान के लिए सहमति बना ली है और कैदियों को अमेरिकी अधिकारियों की देखरेख में सौंपा जाएगा। यह आदान-प्रदान गुरुवार को पूरा होने की उम्मीद है। ब्लूमबर्ग समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार रूस ने एक बहुराष्ट्रीय कैदी आदान-प्रदान के हिस्से के रूप में अमेरिकी पत्रकार एवैन गेरशकोविच और पूर्व अमेरिकी मरीन पॉल व्हेलन को रिहा कर दिया है। इस समझौते से पॉल व्हेलन के लिए पांच साल से अधिक और एवैन गेरशकोविच के लिए एक साल से अधिक समय तक चले बुरे सपने का अंत हो गया। दोनों को अमेरिकी विदेश विभाग ने गलत तरीके से हिरासत में लिया गया था। गुरुवार का यह आदान-प्रदान मॉस्को और वाशिंगटन के बीच महीनों की शांत और जटिल वार्ताओं के बाद हुआ जिसमें

अमेरिकी राजनयिकों ने रूस को अमेरिकी कैदियों को रिहा करने के लिए प्रोत्साहन देने के लिए दुनिया भर में प्रस्तावों की खोज की। एवैन गेरशकोविच को मार्च 2023 में येकातेरिनबर्ग में रिपोर्टिंग यात्रा के दौरान गिरफ्तार किया गया था। उन्हें 19 जुलाई को एक रूसी अदालत ने जासूसी का दोषी पाया और 16 साल की सजा सुनाई। अमेरिकी सरकार, उनके अखबार और समर्थकों ने इस मुकदमे को दिखावा करार दिया है। पॉल व्हेलन जो अमेरिकी, आयरिश, ब्रिटिश और कनाडाई नागरिक हैं, को दिसंबर 2018 में मॉस्को के एक होटल में रूसी अधिकारियों ने हिरासत में लिया था, जिन्होंने आरोप लगाया था कि वह एक खुफिया अभियान में शामिल थे। पूर्व अमेरिकी मरीन को जासूसी के आरोप में 16 साल की सजा सुनाई गई थी, जिसे उन्होंने सख्ती से नकारा है। वह मॉस्को से आठ घंटे की ड्राइव पर स्थित मॉर्डोविया में एक श्रम शिविर में अपनी सजा काट रहे थे, जहां उन्होंने जून 2021 में सीएनएन को बताया कि वह अपना दिन एक कपड़ा फैक्ट्री में काम करते हुए बिताते हैं, जिसे उन्होंने पसीना घर कहा। व्हेलन के लिए यह विशेष रूप से लंबा इंतजार रहा है, जो पहले कई आदान-प्रदान में शामिल नहीं थे। वह 2022 के दो समझौतों का हिस्सा नहीं थे। उस वर्ष अप्रैल में, मॉस्को ने पूर्व अमेरिकी मरीन ट्रेवर रीड को रूसी नागरिक और दोषी ड्रग तस्कर कोंस्टेंटिन यारोशेंको के बदले में रिहा किया था। दिसंबर में, WNBA स्टार ब्रिटनी ग्रिनर को रूसी हथियार डीलर विक्टर बाउट के बदले में बदला गया था।

नेपाल में चीनी राजदूत की विवादास्पद टिप्पणी से गर्माई राजनीति

इंटरनेशनल डेस्क: नेपाल में चीनी राजदूत की विवादास्पद टिप्पणी से राजनीति गर्मा गई है। नेपाल के सांसदों ने हाल ही में चीनी राजदूत चेन सॉन्ग की टिप्पणियों पर नाराजगी जताई है। चेन सॉन्ग ने त्रिशुली नदी में लापता दो यात्री बसों की खोजी कार्रवाई के बारे में एक टिप्पणी की थी। ये बसें इस महीने की शुरुआत में एक बड़े भूस्खलन के दौरान नदी में बह गई थीं, जिसके बाद से बचाव अभियान जारी है। चेन सॉन्ग की टिप्पणियों को सांसदों ने दु:ख की इस घड़ी में नकारात्मक और असंवेदनशील बताया। उनका कहना है कि ऐसे वक्त में जब पूरे देश में गम और चिंता का माहौल है, ऐसी टिप्पणियाँ न केवल अनुचित हैं बल्कि संवेदनहीनता भी दर्शाती हैं। इस स्थिति पर प्रतिक्रिया देते हुए, सांसदों ने नेपाल सरकार से मांग की है कि वे चीनी राजदूत को तलब करें और उन्हें देश की संवेदनशीलता और वर्तमान हालात के प्रति उचित सम्मान दिखाने की आवश्यकता का एहसास कराएं। इस मामले में और कोई आधिकारिक बयान या कार्रवाई की जानकारी अब तक सामने नहीं आई है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569